सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार
*" ज़िन्दगी का सबसे लम्बा सफ़र
एक मन से दूसरे मन तक पहुँचना है
और इसी में सबसे ज्यादा समय लगता है !!*
अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-212 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शुक्रवार 21 अगस्त 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में 'मोदी चालीसा' और आरती का वीडियो वायरल, PCI ने दी सफाई

बिहार किन्नर कल्याण बोर्ड ने बुक किया था हॉल, शर्तों के उल्लंघन पर कार्यक्रम रुकवाया

नई दृष्टिबिंदु / नई दिल्ली

दिल्ली स्थित प्रतिष्ठित 'प्रेस क्लब ऑफ इंडिया' परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भगवान राम के रूप में कटआउट लगाकर आरती उतारने और 'मोदी चालीसा' का पाठ करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विवाद खड़ा हो गया। मामले ने तूल पकड़ने पर प्रेस क्लब ऑफ इंडिया ने आधिकारिक सफाई जारी कर कहा कि क्लब का आयोजन से कोई लेना-देना नहीं है।

क्या है पूरा मामला

घटना 20 अगस्त की बताई जा रही है। वायरल वीडियो में प्रेस क्लब परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बड़ा कटआउट लगाया गया था। वहां मौजूद लोग कटआउट के सामने आरती उतार रहे थे और 'मोदी चालीसा' का पाठ कर रहे थे। परिसर में 'जय-जय मोदी, हर-हर मोदी' के नारे भी सुने गए। जानकारी के अनुसार यह कार्यक्रम बिहार राज्य किन्नर कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष डॉ. राजन सिंह की ओर से आयोजित किया गया था।

पटना में पीएम मोदी के नाम मंदिर बनाने का दावा

डॉ. राजन सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पटना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर एक भव्य मंदिर बनाने की योजना की जानकारी देना था।

उन्होंने कहा कि बिहार सरकार की तरफ से इस मंदिर निर्माण के लिए 5 एकड़ जमीन आवंटित की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक मंदिर का निर्माण शुरू नहीं होता, तब तक किन्नर समुदाय के लोग हर गुरुवार को इसी तरह 'मोदी चालीसा' का पाठ करेंगे। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद प्रेस क्लब ऑफ इंडिया ने स्पष्टीकरण जारी किया। ढउकने कहा कि यह कार्यक्रम क्लब द्वारा आयोजित नहीं किया गया था। एक संस्था ने केवल 'प्रेस कॉन्फ्रेंस' के उद्देश्य से हॉल किराए पर बुक किया था। क्लब के अनुसार बुकिंग की शर्तों में धार्मिक पूजा और आरती जैसी गतिविधियां शामिल नहीं थीं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव से की मुलाकात

दिल्ली में स्वास्थ्य की जानकारी ली शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बुधवार को नई दिल्ली के द्वारका स्थित छत्तीसगढ़ निवास में जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव से मुलाकात की। उपचार के बाद स्वास्थ्य लाभ ले रहे किरण सिंह देव से मुख्यमंत्री ने आत्मीयता से भेंट कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। विधायक श्री देव के स्वास्थ्य लाभ को लेकर मुख्यमंत्री ने परिवार से भी चर्चा की और बेहतर उपचार के लिए आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया।

चमोली सुरंग हादसे में कोंडागांव के 4 श्रमिकों की मौत

नई दृष्टिबिंदु /रायपुर

उत्तराखंड के चमोली में निर्माणाधीन सुरंग में पानी भरने की दुःखद घटना में कोंडागांव जिले के 4 श्रमिकों के निधन पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने मृतक श्रमिकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपये और हादसे में घायल दोनों श्रमिकों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। इस हादसे में कोंडागांव जिले के ग्राम धनसुली के 2, मदनार के 1 और दहीकोंगा के 1 श्रमिक की मृत्यु हुई है। जिले के 2 श्रमिक घायल हुए हैं। दिवंगत श्रमिकों के पार्थिव शरीर कोंडागांव लाए गए, जहां परिजनों की उपस्थिति में उनका अंतिम संस्कार किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य सरकार दुःख की इस घड़ी में शोकाकुल परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता से खड़ी है और उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

"भाग्य लिखने वाला विधाता नहीं, हमारा कर्म है" - कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा

शिवमहापुराण कथा के चौथे दिन उमड़ा जनसैलाब, 5 पंडाल कम पड़े

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

बोल बम सेवा व कल्याण समिति द्वारा आयोजित शिवमहापुराण कथा के चौथे दिवस अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा सीहोर वाले ने कहा कि इंसान का भाग्य उसके कर्म से बनता है। केवल कथा सुनने या मंदिर जाने से भाग्य नहीं बदलता, कर्म और भजन दोनों जरूरी हैं।

जयंती स्टेडियम में आयोजित कथा सुनने हजारों श्रद्धालु पहुंचे। भीड़ इतनी अधिक थी कि 5 विशाल पंडाल कम पड़ गए। कई लोग पेड़ों पर और सड़क किनारे बैठकर कथा सुनते नजर आए। भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने अपील की कि श्रद्धालु खाली जगहों पर बैठकर कथा सुनें। वीवीआईपी गेट नंबर-1 सुबह 11 बजे ही पैक होने के कारण बंद करना पड़ा।

व्यासपीठ का पूजन

कथा से पूर्व व्यासपीठ का पूजन समिति अध्यक्ष दयासिंह, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव सपत्नीक और राज्य महिला आयोग अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने किया।

गंगा अवतरण और माता-पिता का महत्व

पंडित मिश्रा ने मां गंगा के पृथ्वी पर अवतरण की कथा सुनाते हुए बताया कि भागीरथी की तपस्या से प्रसन्न होकर शिवजी ने गंगा को अपनी जटा में धारण किया। इससे भागीरथी के 60 हजार पूवर्जो का उद्धार हुआ। उन्होंने माता सती-शिव संवाद का जिक्र करते हुए कहा कि पत्नी, बच्चे, रिश्ते-नाते पूर्व जन्म के कर्म से मिलते हैं और बार-बार मिल सकते हैं, लेकिन माता-पिता केवल एक जन्म में ही मिलते हैं।

पंडित मिश्रा ने प्री-वेडिंग फोटो शूट और खर्चीली शादियों को संस्कारों के विपरीत बताया। उन्होंने कहा कि विवाह धन-वैभव का नहीं, संस्कारों का होना चाहिए। युवाओं से कहा कि माता-पिता की परिस्थिति के अनुसार शादी करें। "बच्चों को कार नहीं, संस्कार दो"। कथा में मौजूद युवाओं ने संकल्प लिया कि "हम भारत के हैं और भारत की मर्यादा के लिए कभी लज्जित नहीं होंगे"।

नीट, सीए, आईएएस जैसी परीक्षाओं में एक-दो नंबर से चूकने वाले बच्चों के लिए उन्होंने उपाय बताया - "सुबह उठकर एक लोटा जल लेकर शिवालय जाएं, निश्चित सफलता मिलेगी"।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने बताया कि प्रदेश के स्कूलों में बच्चों को दीप मंत्र, सरस्वती मंत्र, गायत्री मंत्र और शांति मंत्र सिखाकर संस्कारित किया जा रहा है। डॉ. ममता साहू ने भी कथावाचक के उपायों की सराहना की।

BSc 2nd ईयर का एंटोमोलॉजी पेपर लीक

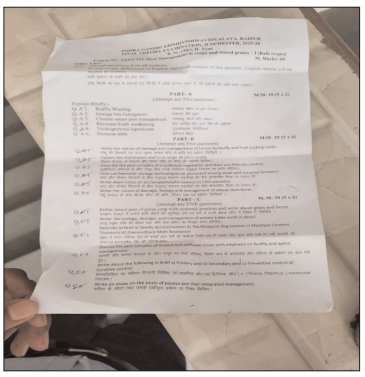

परीक्षा से पहले WhatsApp पर वायरल, छात्रों में आक्रोश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजधानी रायपुर स्थित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय) में परीक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। यहां इरू द्वितीय वर्ष के एंटोमोलॉजी यानी कीट विज्ञान विषय का प्रश्नपत्र परीक्षा शुरू होने से पहले ही WhatsApp पर वायरल हो गया।

परीक्षा से पहले वायरल हुआ पेपर

जानकारी के अनुसार 20 अगस्त को होने वाली इरू 2ह्ल ईयर की एंटोमोलॉजी परीक्षा का प्रश्नपत्र तय समय से पहले ही छात्रों के बीच हँ३२अस्रस्र के जरिए पहुंच गया। जैसे ही पेपर लीक की खबर फैली, छात्रों में हड़कंप मच गया। परीक्षा देने पहुंचे कई छात्रों ने पेपर लीक मामले की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कारर्वाई की मांग की है। छात्रों का कहना है कि मेहनत करने वाले विद्याथिर्यों के साथ यह अन्याय है।

जांच के बाद स्पष्ट होगा मामला

पेपर लीक कैसे हुआ और इसमें विश्वविद्यालय से जुड़े किसी कमर्चारी या अधिकारी की भूमिका है या नहीं, इसको लेकर अभी संशय बना हुआ है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने मामले की जांच शुरू करने की बात कही है। जांच रिपोर्ट के बाद ही पूरे घटनाक्रम का खुलासा हो सकेगा। पेपर लीक की इस घटना ने क्क्रङ्क्ष्श की परीक्षा प्रणाली और गोपनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। छात्रों ने मांग की है कि लीक हुए पेपर की परीक्षा रद्द कर पुनः परीक्षा कराई जाए ताकि सभी को समान अवसर मिल सके।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सोनपुर में शौर्य वाटिका का किया भूमिपूजन

79 लाख के विकास कार्यो का लोकार्पण, 37 शहीद परिवारों का हुआ सम्मान

नई दृष्टिबिंदु /रायपुर

जिले के वीर बलिदानियों की स्मृति को संजोने के उद्देश्य से दुर्ग जिले के पाटन विकासखंड के ग्राम सोनपुर में शौर्य वाटिका का भूमिपूजन बुधवार को किया गया। उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में जिले के 37 शहीद परिवारों का सम्मान भी किया गया।

लगभग एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही इस शौर्य वाटिका में शहीदों के नाम पर उनके परिजनों द्वारा स्मृति वृक्ष लगाए गए। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भी शहीदों की स्मृति में पीपल का पौधा रोपित कर पौधरोपण की शुरुआत की।

78.96 लाख के विकास कार्य लोकार्पित

कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री ने 78.96 लाख रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इसमें तालाब गहरीकरण, खेल मैदान, पहुंच मार्ग निर्माण, शौचालय, चबूतरा निर्माण, वृक्षारोपण एवं शेड निर्माण शामिल हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना के

अंतर्गत 37.95 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड निर्माण, आहता निर्माण एवं शेड निर्माण कार्यों का भी लोकार्पण किया गया। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में छत्तीसगढ़ के जवानों और बस्तर के लोगों ने बड़ी कीमतें चुकाई हैं। शहीद जवानों और उनके परिवारों को नमन करते हुए उन्होंने कहा कि आज बस्तर में शांति स्थापित होने के बाद विकास की नई संभावनाएं खुली हैं। जिन क्षेत्रों में कभी नक्सल हिंसा के कारण स्कूल, अस्पताल, आंगनबाड़ी, बिजली, पानी और सड़क जैसी सुविधाएं नहीं पहुंच पाती थीं, वहां अब विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर में नक्सलवाद के खात्मे में शहीद जवानों की बहादुरी और बलिदान की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आज नक्सल क्षेत्रों में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है, जहां कभी जाना मुश्किल था, अब वहां शांति और बदलाव का माहौल है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सोनपुर में बन रही शौर्य वाटिका में शहीद परिवारों और शहीदों के नाम पर पौधरोपण किया जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनके त्याग और शौर्य को याद रख सकें। सरकार सोनपुर गांव में योजनाबद्ध विकास कार्यों में हरसंभव सहयोग करेगी।

जनप्रतिनिधि रहे उपस्थित

इस अवसर पर सांसद विजय बघेल ने भी शहीदों को नमन करते हुए उनके परिवारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम में साजा विधायक ईश्वर साहू, जनपद पंचायत अध्यक्ष कीर्ति नायक, सुरेन्द्र कोशिक, सरपंच संत कुमार कुंभकार, सेवानिवृत शिक्षक रामू राम चक्रधर सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं नागरिक उपस्थित थे।

अरविंदर सिंह खुराना सर्वसम्मति से छत्तीसगढ़ प्रदेश भारोत्तोलन संघ के अध्यक्ष चुने गए

सांसद विजय बघेल बोले- खिलाड़ियों को साथ लेकर संघ को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ प्रदेश भारोत्तोलन संघ की विशेष आम सभा एवं कार्यकारी समिति का चुनाव बुधवार को इंडियन कॉफी हाउस, भिलाई निवास में सम्पन्न हुआ। चुनाव में सर्वसम्मति से अरविंदर सिंह खुराना को प्रदेश भारोत्तोलन संघ का अध्यक्ष चुना गया। वहीं सचिव पद पर डॉ. राजेश जंघेल निर्वाचित हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल रहे। चुनाव प्रक्रिया में पर्यवेक्षक के रूप में शशि बघेल, शैलेंद्र जोशी, बुधराम सारंग, मनोज मित्रा एवं अजय श्रीवास्तव उपस्थित थे।

नई कार्यकारिणी का गठन

बैठक में सर्वसम्मति से अन्य पदाधिकारियों का भी चयन किया गया। नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष घनश्याम जंघेल एवं अनिता सिंदे, सह सचिव

अशोक कुमार साहू एवं माधुरी साहू को जिम्मेदारी सौंपी गई। अध्यक्ष अरविंदर खुराना ने सांसद विजय बघेल का आभार जताते हुए कहा कि उन पर जताए गए विश्वास को वे हर संभव प्रयास से सार्थक करेंगे।

"संगठन और खिलाड़ियों के हित में काम करें" – विजय बघेल

मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश भारोत्तोलन संघ में एकजुटता और टीम भावना के साथ काम करने की जरूरत है। खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों का लक्ष्य राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करना होना चाहिए। उन्होंने पिछले कार्यकाल में संघ के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि भारत ने हाल ही में 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया है और आज देश के खिलाड़ी विश्व स्तर परचम लहरा रहे हैं। छत्तीसगढ़ की बेटियों ने भी खेल में प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। विशेष रूप से भारोत्तोलक ज्ञानेश्वरी यादव का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम ऊंचा किया है।

सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खिलाड़ियों से आत्मीयता से संवाद कर उनका मनोबल बढ़ाते हैं। प्रधानमंत्री ने ज्ञानेश्वरी यादव से भी भावुक बातचीत कर उनका हौसला बढ़ाया है। अपने अनुभव साझा करते हुए श्री बघेल ने कहा कि पद केवल नाम का होता है, असली महत्व संगठन और खिलाड़ियों के प्रति समर्पण का है। उन्होंने नई कार्यकारिणी से आह्वान किया कि सभी जिलों को साथ लेकर राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के चयन और प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा अगले चार वर्षों के लिए संघ के विकास का खाका तैयार किया जाए।

कार्यक्रम के अंत में सांसद विजय बघेल ने नवनियुक्त अध्यक्ष अरविंदर खुराना सहित सभी पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए छत्तीसगढ़ में भारोत्तोलन खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए मिल-जुलकर काम करने का आह्वान किया।

खास खबर

सुस्मिता बसु की शास्त्रीय संगीत पर आधारित बंदिशों और उनसे जुड़ी कहानियों को पर्यावरण के प्रति जागरूकता के लिए अंतरराष्ट्रीय संगठन 'बिम्सटेक' ने किया चयनित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

इस्पात नगरी भिलाई में पली बढ़ी और वर्तमान में कलकत्ता विश्वविद्यालय में प्राध्यापक प्रो. सुस्मिता बसु मजुमदार की शास्त्रीय संगीत पर आधारित बंदिशों और उनसे जुड़ी कहानियों को पर्यावरण के प्रति जागरूकता के लिए अंतरराष्ट्रीय संगठन 'बिम्सटेक' ने चयनित किया। उनकी यह बंदिश ढाका (बांग्लादेश) में हुए अंतरराष्ट्रीय आयोजन में पेश की गई।

उल्लेखनीय है कि 'बिम्सटेक' मूल रूप से बंगाल की खाड़ी के समीपवर्ती सात देशों का एक अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रीय संगठन है। जिसमें भारत, बांग्लादेश, म्यांमार, श्रीलंका, थाईलैंड, भूटान और नेपाल शामिल है। एक अंतरराष्ट्रीय मंच पर अवसर दिए जाने को प्रो. सुस्मिता एक उल्लेखनीय उपलब्धि मानती हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति विभाग में प्राध्यापक प्रो. सुस्मिता ने बताया कि उन्होंने अपनी किताब पंचशती नव बंदिश संगम में 50 नई बंदिशें लिखी हैं। इनमें से एक शैली हरित है। जिसका शाब्दिक अर्थ 'हरा' है। यह मूल रूप से पर्यावरण के प्रति जागरूकता पर केंद्रित है। इन बंदिशों में ग्लोबल वार्मिंग और पेड़ बचाने जैसे हालिया मुद्दों को शामिल किया गया है।

प्रो. सुस्मिता ने बताया कि उनकी इन बंदिशों और उनसी जुड़ी कहानियों को 'बिम्सटेक' ने पर्यावरण पर आधारित आयोजन के लिए चुना। 'बिम्सटेक' सचिवालय ने जलवायु सहयोग के लिए सदस्य देशों की क्षेत्रीय प्रतिबद्धताओं को दोहराते हुए विगत दिनों ढाका में एक उच्च-स्तरीय गोलमेज बैठक आयोजित किया था। जहां उनकी यह बंदिश प्रमुख देशों के प्रतिनिधियों के समक्ष पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पहल के तौर पर पेश की गई। यह उल्लेखनीय है कि सुस्मिता बसु मजूमदार की स्कूली शिक्षा बीएसपी के सीनियर सेकंडरी स्कूल सेक्टर-10 से हुई है। उन्होंने वर्ष 2018 में अपने शहर भिलाई को एक आदरांजली प्रस्तुत करते हुए 'भिलाई एंथम' का यादगार आयोजन भी किया था।

MMDR संशोधन अधिनियम 2026 का स्वागत किया

नई दिल्ली। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (रअक्छ) ने केंद्र सरकार द्वारा 17 अगस्त 2026 को अधिसूचित खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2026 का स्वागत किया है। कंपनी ने इसे खनिज क्षेत्र में वित्तीय स्थिरता और दीर्घकालिक नीतिगत निश्चितता स्थापित करने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया। और शुल्कों में स्पष्टता और एकरूपता लाता है। साथ ही पहले से लंबित कर मामलों का समाधान कर खन उद्योग में भरोसा बढ़ाएगा।

खन कार्यों को मिलेगा बल

रअक्छ के पास लौह अयस्क और कोयले की बड़ी कैप्टिव खदानें हैं। कंपनी का कहना है कि इस सुधार से खन कार्यों की आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। इससे नए निवेश और खदानों के विकास में आसानी होगी तथा कच्चे माल की दीर्घकालिक सुरक्षा मजबूत होगी। स्थिर कर व्यवस्था से कंपनी अपने खनिज संसाधनों का बेहतर उपयोग कर लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ा सकेगी। उल्लेखनीय है कि इस सुधार से घरेलू बाजार में लौह अयस्क की उपलब्धता बढ़ेगी। खदानों के बेहतर विकास के बाद रअक्छ निर्धारित नियमों के तहत अतिरिक्त लौह अयस्क को बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध करा सकेगी। इससे घरेलू सप्लाई चेन मजबूत होगी और भारतीय इस्पात उद्योग को स्थानीय लौह अयस्क आसानी से मिल सकेगा। रअक्छ ने कहा कि इस कदम से क्षेत्र में निवेश और उत्पादन बढ़ेगा, आयात पर निर्भरता घटेगी, खनिज व ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी और खनिज आधारित उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी। कंपनी ने 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित भारत' के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि वह अपने खनिज संसाधनों के जिम्मेदार और टिकाऊ विकास, कच्चे माल की सुरक्षा और घरेलू बाजार में अधिक लौह अयस्क उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्लांट गैरेज में नए आरटी क्रैन, मैन लिफ्टर और पैसेंजर वैन का निदेशक प्रभारी ने किया उद्घाटन

परिचालन व रखरखाव संबंधी आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से पूरा करने में मिलेगी मदद

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

बीएसपी के प्लांट गैरेज ने अपने उपकरण बेड़े का विस्तार करते हुए तीन नए आरटी क्रेन, एक मैन लिफ्टर तथा एक टाटा विंगर पैसेंजर वैन को शामिल किया है। प्लांट गैरेज परिसर में आयोजित कार्यक्रम में भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्तरंजन महापात्र ने इन उपकरणों का उद्घाटन कर संबंधित विभागों के विभागाध्यक्षों को औपचारिक रूप से सौंपा।

प्लांट गैरेज हेतु 75 टन एवं 40 टन क्षमता के दो आरटी क्रेन, कोकओवन हेतु 40 टन क्षमता का एक आरटी क्रेन, सीईडी हेतु एक मैन लिफ्टर तथा पर्यावरण प्रबंधन विभाग हेतु एक टाटा विंगर पैसेंजर वैन शामिल हैं। इन आधुनिक उपकरणों के शामिल होने से प्लांट गैरेज, कोकओवन, सीईडी तथा पर्यावरण प्रबंधन विभाग की परिचालन एवं रखरखाव संबंधी आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से पूरा करने में मदद मिलेगी।

इस अवसर पर निदेशक प्रभारी चित्तरंजन महापात्र ने प्लांट गैरेज बिरादरी को संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिक उपकरणों का समावेश संयंत्र में सुरक्षा, दक्षता एवं उत्पादकता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। बीएस6 उत्सर्जन मानकों के अनुरूप

ये नए उपकरण सामग्री प्रबंधन एवं रखरखाव कार्यों को अधिक प्रभावी बनाने के साथ-साथ पर्यावरण प्रबंधन को सुदृढ़ करते हुए सुरक्षित एवं सतत परिचालन में योगदान देंगे। महापात्र ने प्रोजेक्ट मैनेजर एवं महाप्रबंधक (प्लांट गैरेज) बी. डी. बाबू तथा प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर एवं महाप्रबंधक (प्लांट गैरेज) प्रदीप्त भौमिक, पीपीएंडई विभाग की एमएम-आईपीएम टीम तथा प्लांट गैरेज विभाग की पूरी टीम द्वारा रिकॉर्ड समय में खरीद प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए किए गए उत्कृष्ट प्रयासों की विशेष रूप से सराहना की।

कार्यपालक निदेशक ए. के. चक्रवर्ती ने प्लांट गैरेज टीम के समन्वित प्रयासों

की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन टीमों के प्रभावी समन्वय एवं सतत प्रयासों से इन महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों की खरीद प्रक्रिया समयबद्ध एवं सुचारु रूप से पूरी हो सकी। कार्यपालक निदेशक प्रबीर कुमार सरकार ने कहा कि संयंत्र की बढ़ती परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने तथा विस्तार परियोजनाओं को प्रभावी समर्थन प्रदान करने के लिए आधुनिक उपकरणों का समावेश महत्वपूर्ण है। उन्होंने उपकरणों की समयबद्ध कमीशनिंग सुनिश्चित करने में प्लांट गैरेज टीम की सराहना की। कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) राकेश कुमार ने कहा कि विश्वसनीय एवं आधुनिक उपकरण सुचारु दैनिक परिचालन की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि नए उपकरण रखरखाव एवं सामग्री प्रबंधन की क्षमताओं को बढ़ाने के साथ-साथ कर्मचारियों के लिए अधिक सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (एमएंडयू) बी. के. बेहेरा ने प्लांट के उपकरण बेड़े के रखरखाव एवं आधुनिकीकरण में प्लांट गैरेज टीम के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन नए उपकरणों के शामिल होने से परिचालन क्षमता में वृद्धि होगी तथा कर्मचारियों के लिए अधिक सुरक्षित कार्य वातावरण तैयार करने में मदद मिलेगी। नए आरटी क्रेन एवं मैन लिफ्टर आधुनिक तकनीक से लैस हैं तथा बेहतर लिफ्टिंग एवं रीच क्षमता के साथ उच्च परिचालन दक्षता प्रदान करेंगे।

वहीं, टाटा विंगर पैसेंजर वैन पर्यावरण प्रबंधन विभाग की फील्ड एवं परिवहन संबंधी आवश्यकताओं के लिए सुरक्षित एवं सुचारु आवागमन सुनिश्चित करेगी। आरटी क्रेन की इन-हाउस उपलब्धता से कॉन्ट्रैक्चुअल क्रेन पर निर्भरता कम होगी, जिससे अनुबंधित व्यय में कमी के साथ-साथ महत्वपूर्ण रखरखाव एवं शटडाउन कार्यों के दौरान क्रेन की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी और कार्यों का निष्पादन अधिक तेजी से होगा।

शराब को लेकर मारपीट, युवक की मौत पाटन पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

बीएनएस की धारा 103 के तहत अपराध दर्ज, आरोपी न्यायिक रिमाण्ड पर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

पाटन क्षेत्र में शराब पीने की बात को लेकर हुए विवाद में मारपीट से घायल एक युवक की उपचार के बाद मृत्यु हो गई। थाना पाटन पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेज दिया है।

दिनांक 19.08.2026 को शाम करीब 4 बजे रूपेश कुमार वर्मा, 22 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 11, ग्राम फुण्डा, पुराना बाजार चौक, थाना पाटन शराब खरीदने पाटन शराब भट्ठी गया था। वहां ग्राम चीचा निवासी विपिन चंद्राकर, 28 वर्ष से शराब पीने की बात को लेकर विवाद हो गया और दोनों के बीच हाथ-मुक्के और लात-घूंसों से मारपीट हुई।

सूचना मिलने पर डायल-112 की मदद से घायल रूपेश वर्मा को अस्पताल में भर्ती कराया गया। रात्रि में तबीयत ठीक होने परिजन उसे घर ले गए, लेकिन रात करीब 9 बजे उसकी तबीयत फिर बिगड़ गई और उसकी मृत्यु हो गई।

जांच में सामने आया आंतरिक चोट का मामला

मृत्यु के बाद थाना पाटन में मर्ग कायम कर जांच की गई। पंचों के कथन और शॉर्ट पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृतक के पेट एवं निजी अंग के आसपास आंतरिक चोटें पाई गईं। जांच में सामने आया कि आरोपी ने मृतक के साथ पेट और निजी अंगों पर लात-घूंसों से हमला किया था।

इसी आधार पर थाना पाटन में अपराध क्रमांक 294/2026, धारा 103 बीएनएस के तहत हत्या का अपराध पंजीबद्ध किया गया।

आरोपी गिरफ्तार

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश मिश्रा के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस ने 20.08.2026 को आरोपी विपिन चंद्राकर को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेज दिया।

पुलिस की अपील

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि शराब या किसी अन्य कारण से विवाद की स्थिति में कानून हाथ में न लें। विवाद को मारपीट में बदलने से रोकें और किसी भी गंभीर घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दें। हिंसक गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में थाना पाटन स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

गणेश उत्सव समिति की नई कार्यकारिणी घोषित, भूमिपूजन के साथ तैयारियां शुरू

सतयुग जागरण फाउंडेशन द्वारा आयोजित होगा आयोजन, प्रशांत पांडेय बने अध्यक्ष, सड़क 38 सेक्टर-4 में धूमधाम से मनाया जाएगा गणेश उत्सव

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सतयुग जागरण फाउंडेशन भिलाई द्वारा आयोजित गणेश उत्सव समिति, सड़क 38 सेक्टर-4 की नई कार्यकारिणी घोषित कर दी गई है। नई कार्यकारिणी द्वारा 18 अगस्त 2026 को भूमिपूजन कर इस वर्ष के गणेश उत्सव की तैयारियों की शुरूआत की गई।

भूमिपूजन के साथ हुई शुरूआत

नई कार्यकारिणी के गठन के बाद सड़क 38 सेक्टर-4 स्थित पूजा स्थल पर भूमिपूजन किया गया। भूमिपूजन कार्यक्रम में समिति के सभी पदाधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। युवा अध्यक्ष आलोक मिश्रा ने बताया कि इस वर्ष भी गणेश उत्सव को धूम-धाम और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। पूजा के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम और सामाजिक गतिविधियों का आयोजन भी किया जाएगा। समिति ने सभी भक्तों से अपील की है कि वे इस पावन उत्सव में शामिल होकर भगवान गणेश का आशीर्वाद प्राप्त करें।

नई कार्यकारिणी घोषित

समिति की नई कार्यकारिणी में सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चयन किया गया जिसमें
अध्यक्ष : प्रशांत पांडेय
कार्यकारी अध्यक्ष : एलके खाड़े
युवा अध्यक्ष : आलोक मिश्रा
उपाध्यक्ष : मनमोहन सिंह, बिंदेश्वरी साहू
सचिव : किरण वैद्य, राजेंद्र शर्मा, पंकज शर्मा
सह सचिव : ओम प्रकाश साहू
कोषाध्यक्ष : संदीप राठौर, विशाल सिंह
संरक्षक : रिंकू साहू, विनोद चौधरी, आशीष पांडेय, आशीष राजपूत, सुमित द्विवेदी शामिल हैं।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस की पूर्व संध्या पर वरिष्ठजनों का सम्मान

5 साहित्यकारों को मिला "वरिष्ठजन साहित्य शिरोमणि सम्मान", योग और मार्शल आर्ट ने बांधा समां

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस की पूर्व संध्या पर सियान सदन, हाउसिंग बोर्ड में "वरिष्ठजन कल्याण महासंघ" द्वारा गरिमामय समारोह आयोजित किया गया। समारोह में वरिष्ठजनों के सम्मान के साथ साहित्य, संगीत, योग और आत्मरक्षा जैसे विविध कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में वरिष्ठजनों की महत्ता को रेखांकित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुआ। मंच पर वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. परदेशी राम वर्मा, आचार्य डॉ. महेश चंद्र शर्मा, डॉ. डी.पी. देशमुख, डॉ. नीलकंठ देवांगन, हेमलाल साहू ह्वनिमीहीह्ह, महासंघ अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन, कोषाध्यक्ष दिनेश कुमार गुप्ता और कांतिलाल विश्वकर्मा उपस्थित रहे।

आयोजित संगोष्ठी का विषय ह्ववरिष्ठजन : अनुभव की पूंजी और समाज की अमूल्य धरोहरह्व रहा। महासंघ अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन ने कहा कि वरिष्ठजन बोझ नहीं, समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके अनुभव, ज्ञान और संस्कार नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक हैं। समाज को चाहिए कि वह वरिष्ठजनों की प्रतिभा और अनुभव का सकारात्मक उपयोग करे। वरिष्ठजन कल, आज और आने वाली पीढ़ी के बीच सेतु का कार्य करते हैं।

5 साहित्यकार सम्मानित, दो पुस्तकों का विमोचन

हिंदी एवं छत्तीसगढ़ी साहित्य में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. परदेशी राम वर्मा, आचार्य डॉ. महेश चंद्र शर्मा, डॉ. डी.पी. देशमुख, डॉ. नीलकंठ देवांगन और हेमलाल साहू ह्वनिमीहीह्ह को "वरिष्ठजन साहित्य शिरोमणि सम्मान" से सम्मानित किया गया। उन्हें शॉल, श्रीफल, सम्मान पत्र और पेन भेंट किए गए। तीन बार ऑपरेशन के बावजूद सक्रिय रहने वाले कांतिलाल विश्वकर्मा को "वरिष्ठजन विशिष्ट गौरव सम्मान" दिया गया। उन्होंने 75 वर्ष की आयु में इग्नू से इंडस्ट्रियल सेफ्टी में एमएससी की परीक्षा दी है। इसके अलावा 80 वर्ष से अधिक आयु के 18 वरिष्ठ नागरिकों का अंगवस्त्र, श्रीफल और पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया गया। समारोह में डॉ. नीलकंठ देवांगन की दो नई पुस्तकों "अंतस के पीरा" और "छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खेल" का विमोचन भी हुआ।

योग, संगीत और मार्शल आर्ट की प्रस्तुति

गायक जोसफ के नेतृत्व में वरिष्ठजनों ने गीत-संगीत की प्रस्तुति दी। अभिषेक मार्शल आर्ट एवं स्पोर्ट्स एकेडमी के छात्र-छात्राओं ने आत्मरक्षा पर आधारित प्रदर्शन कर दशर्कों की तालियां बटोरीं। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण 70 वर्ष से अधिक आयु की वरिष्ठ महिलाओं द्वारा योग और पिरामिड फॉर्मेशन रहा। उनके आत्मविश्वास और समन्वय ने यह संदेश दिया कि उम्र सक्रियता में बाधा नहीं है। संगोष्ठी में साहित्यकारों ने वरिष्ठजनों को समाज का मार्गदर्शक बताया। कार्यक्रम के अंत में नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु सामूहिक संकल्प लिया गया। समारोह का संचालन सुमन देवांगन और छाया विश्वकर्मा ने किया। आभार कांतिलाल विश्वकर्मा ने व्यक्त किया।

भिलाई इस्पात संयंत्र के आरएसएम में इन-हाउस पुनरुद्धारित हुआ हाई प्रेशर कंप्रेसर

रेडी-रेकनर स्पेयर उपलब्ध होने से उत्पादन में मिलेगी निरंतरता

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल (आरएसएम) में आंतरिक संसाधनों से एक पुराने हाई प्रेशर कंप्रेसर का सफलतापूर्वक पुनरुद्धार किया गया है। इससे आरएसएम में अब एक स्टैंडबाय कंप्रेसर उपलब्ध हो गया है, जिससे उपकरणों की विश्वसनीयता और उत्पादन की निरंतरता को मजबूती मिलेगी।

सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए आरएसएम के नियमित उत्पादन को प्रभावित किए बिना पूरा किया

नव-पुनरुद्धारित कंप्रेसर का लोकार्पण 18 अगस्त 2026 को मुख्य महाप्रबंधक (आरएसएम एवं आरटीएस) टी. दस्तीदार ने संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारियों और आरएसएम टीम की उपस्थिति में किया।

दो सप्ताह में पूरा हुआ कार्य

आरएसएम के ऑक्जिलरीज एवं यूटिलिटीज सेक्शन की मैकेनिकल टीम ने जे.ए. बैकर मेक के पुराने कंप्रेसर का इन-हाउस मरम्मत कर उसे पुनर्जीवित किया। कार्य के दौरान कंप्रेसर के इनपुट साइड में डायरेक्ट फीडिंग एक्यूमुलेटर भी जोड़ा गया, ताकि इसे प्रभावी स्टैंडबाय स्पेयर के रूप में इस्तेमाल किया जा सके।

यह पूरा कार्य दो सप्ताह की अल्प अवधि में, सभी सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए और आरएसएम के नियमित उत्पादन को प्रभावित किए बिना पूरा किया गया।

उत्पादन में मददगार होगा नया स्पेयर

आरएसएम में हॉट ब्लूम्स की डीस्केलिंग और मिल के वाटर हाइड्रालिक सिस्टम के एक्यूमुलेटर्स में उच्च दबाव बनाए रखने के लिए हाई प्रेशर कंप्रेसर जरूरी होते हैं। इनमें से एक कंप्रेसर हमेशा प्रचालन में रहता है। अब तकनीकी खराबी या आकस्मिक विफलता की स्थिति में नव-पुनरुद्धारित कंप्रेसर को तुरंत बैकअप के रूप में उपयोग में लाया जा सकेगा। इससे उपकरणों की उपलब्धता बढ़ेगी और उत्पादन प्रक्रिया में व्यवधान की संभावना कम होगी। कार्यक्रम में महाप्रबंधक प्रभारी (मैकेनिकल) अरविंद टंडन, महाप्रबंधक (मैकेनिकल) अजय वर्मा, उप महाप्रबंधक (मैकेनिकल) सुनील सिंह, विक्रम वर्मा, सहायक महाप्रबंधक (मैकेनिकल) आलोक श्रीवास्तव, टी. सत्यानारायण, उप प्रबंधक (मैकेनिकल) आलोक अग्रवाल, सहायक महाप्रबंधक (ऑपरेशन) पी. कुर्रे, जूनियर इंजीनियर (मैकेनिकल मेंटेनेंस) बलसिंह और इंजीनियरिंग एसोसिएट (मैकेनिकल मेंटेनेंस) चोवा राम वर्मा सहित आरएसएम के अधिकारी एवं कमर्चारी मौजूद रहे।

खास खबर

राष्ट्रीय अध्यक्ष भरत एन. आचार्य ने युवाओं को सामाजिक परिवर्तन के लिए किया प्रेरित

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

जेसीआई इंडिया जोन 27 की मल्टी एलओ मीटिंग रायपुर में संपन्न

जेसीआई इंडिया जोन 27 द्वारा शनिवार को विमतारा हॉल, शांति नगर में मल्टी एलओ मीटिंग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जेसीआई इंडिया के 2026 के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरपीपी भरत एन. आचार्य विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जोन 27 के सभी स्थानीय संगठनों के अध्यक्ष, जोन पदाधिकारी और बड़ी संख्या में सदस्य शामिल हुए। इस अवसर पर जेएफपी सीए प्रणव लाठ, जोन अध्यक्ष जोन 27, जेसी मानव अग्रवाल, जोन सचिव एवं एनपी विजिट टूर समन्वयक तथा जेसी अमन अग्रवाल, अध्यक्ष एनपी मीट छत्तीसगढ़ क्षेत्र भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के विशेष अतिथि जेसीआई इंडिया सेनेट बोर्ड के डायरेक्टर एवं छत्तीसगढ़ जेसीआई के मार्गदर्शक पीपी जेएफआर राजेश अग्रवाल रहे।

नेतृत्व और सामाजिक योगदान पर दिया जोर

राष्ट्रीय अध्यक्ष भरत एन. आचार्य ने अपने संबोधन में युवाओं के नेतृत्व विकास, नेटवर्किंग और सामाजिक योगदान पर जोर दिया। उन्होंने सदस्यों को संगठन के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ सभी अध्यक्षों और सदस्यों ने संवाद एवं विचार-विमर्श किया। यह सत्र उपस्थित सदस्यों के लिए प्रेरणादायी रहा। कार्यक्रम का समापन आभार व्यक्त करने के साथ हुआ। इस दौरान संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प भी लिया गया।

बस्तर पुलिस ने इंजीनियरिंग विद्यार्थियों को दी डिजिटल सुरक्षा की सीख

जगदलपुर में साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी से बचाव पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम

नई दृष्टिबिंदु / जगदलपुर

छत्तीसगढ़ पुलिस की फ्लैगशिप पहल "साइबर जागृति अभियान" के तहत बस्तर पुलिस ने बुधवार को छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी/शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, जगदलपुर में साइबर अपराधों से बचाव और डिजिटल सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक श्री बद्री नारायण मीणा रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में बस्तर पुलिस अधीक्षक श्री शलभ कुमार सिन्हा उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सुखनंदन राठौर, नगर पुलिस अधीक्षक श्री सुमित कुमार धोत्रे, प्राचार्य श्री जैनेंद्र जैन, साइबर रेंज थाना प्रभारी निरीक्षक श्री गौरव तिवारी एवं कोतवाली थाना प्रभारी श्री लीलाधर राठौर भी मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को दिए सुरक्षा के टिप्स

पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बढ़ते साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी,

डिजिटल फ्रॉड और सोशल मीडिया से जुड़े अपराधों के नए तरीकों की जानकारी दी। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अपनी व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी सुरक्षित रखें तथा किसी भी अनजान लिंक, कॉल, मैसेज या ऑनलाइन ऑफर पर बिना सत्यापन भरोसा न करें।

अधिकारियों ने बताया कि साइबर ठगी का शिकार होने पर समय सबसे महत्वपूर्ण है। ऐसी स्थिति में तुरंत राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर *1930* पर शिकायत दर्ज कराएं और साइबर क्राइम पोर्टल या नजदीकी पुलिस को सूचना दें। समय पर शिकायत से ठगी की राशि रोकने की संभावना बढ़ जाती है।

इंटरैक्टिव संवाद से दूर हुए संदेह

कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ इंटरैक्टिव सत्र भी हुआ। छात्रों ने साइबर अपराध और ऑनलाइन फ्रॉड से बचाव को लेकर कई सवाल पूछे, जिनका अधिकारियों ने व्यावहारिक उदाहरणों के साथ समाधान किया। पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा ने कहा कि साइबर अपराध की स्थिति में पुलिस से तुरंत संपर्क करें और किसी घटना को छिपाने के बजाय उसकी सूचना देना जरूरी है।

बस्तर पुलिस ने कहा कि "साइबर जागृति अभियान" का उद्देश्य युवाओं को साइबर खतरों से बचाना और पुलिस-जन संवाद को मजबूत करना है।

उत्तर प्रदेश को 5-2 से हराकर छत्तीसगढ़ की जूनियर बालिका हॉकी टीम सेमीफाइनल में

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

पुणे, महाराष्ट्र में आयोजित 16वीं हॉकी इंडिया जूनियर बालिका राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की बालिकाओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तर प्रदेश को 5-2 से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है।

आक्रामक शुरुआत से तय की जीत

उत्तर प्रदेश के खिलाफ मुकाबले में छत्तीसगढ़ ने शुरू से ही आक्रामक खेल दिखाया। 9वें मिनट में यशोदा ने पहला गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। 19वें मिनट में रुखमणि ने गोल कर स्कोर 2-0 किया। इसके बाद 24वें मिनट में अंजली एक्का, 37वें मिनट में यशोदा और 44वें मिनट में शीतल यादव ने गोल कर छत्तीसगढ़ की बढ़त 5-0 कर दी। उत्तर प्रदेश ने बाद में 2 गोल किए, लेकिन छत्तीसगढ़ ने मैच 5-2 से अपने नाम कर लिया।

पूल मुकाबलों का प्रदर्शन

इससे पहले पूल मैचों में छत्तीसगढ़ ने हिमाचल प्रदेश को 6-4 से हराया था, जबकि मध्य प्रदेश से 1-3 से हार मिली थी। बेहतर गोल अंतर के आधार पर छत्तीसगढ़ टीम पूल में दूसरे स्थान पर रहकर सेमीफाइनल में पहुंची।

टीम और कोचिंग स्टाफ

विशाखा, यशोदा, रुखमणि, नेहा कुमारी, दामिनी खुसरो, जिज्ञासा कश्यप, परमेश्वरी, शीतल यादव, काव्या सिंह ठाकुर, आंचल, केशरनी साहू, दुबी रावत, अंजली एक्का, नेहा धुर्वे, वसुंधरा, स्मिता कुजूर, योगिता एवं चानू।

टीम की इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री अरुण साव, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, सांसद राजनांदगांव संतोष पांडे, सचिव खेल एवं युवा कल्याण यशवंत कुमार, संचालक खेल एवं युवा कल्याण आकांक्षा शिक्षा खलखो, महापौर मधुसूदन यादव, युवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष जितेन्द्र मुदलियार, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ हॉकी फिरोज अंसारी एवं महासचिव मनीष श्रीवास्तव सहित खेल पदाधिकारियों ने बधाई दी है।

सभी ने खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि टीम सेमीफाइनल में भी शानदार प्रदर्शन कर फाइनल में पहुंचे और प्रदेश का नाम रोशन करे।

कांग्रेस और मुस्लिम लीग में कोई अंतर नही वंदे मातरम विवाद पर तीखे बोल

सीएम साय का कांग्रेस पर बड़ा हमला

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुवार को दिल्ली रवाना होने से पहले कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने वंदे मातरम्-विवाद पर कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि कांग्रेस और मुस्लिम लीग में कोई अंतर नहीं है। वहीं क्क्ष्ङ्श में हुए इरू एंटोमोलॉजी पेपर लीक मामले पर सख्त कार्रवाई के संकेत भी दिए।

वंदे मातरम पर बोले उट साय

रायपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कांग्रेस द्वारा वंदे मातरंम के केवल दो पद गाने के फैसले की आलोचना की। उन्होंने कहा कि "वंदे मातरम्-देश की आजादी के आंदोलन से जुड़ा राष्ट्रगीत है। इसे गाते हुए अनेक लोगों ने देश के लिए बलिदान दिया। इसका हमेशा सम्मान होना चाहिए।"

उट साय ने आरोप लगाया कि "कांग्रेस के तुष्टिकरण के कारण ही देश का बंटवारा हुआ। कांग्रेस और मुस्लिम लीग में कोई अंतर नहीं है।"

पेपर लीक पर सख्त रुख

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में इरू 2ह्लस्ञ्ईयर का एंटोमोलॉजी पेपर लीक होने के मामले पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस घटना को गंभीरता से ले रही है। परीक्षा को रद्द कर दिया गया है और जांच के लिए 5 सदस्यीय समिति का गठन किया गया है।

उन्होंने कहा कि "समिति की रिपोर्ट आने के बाद जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। परीक्षा व्यवस्था में किसी भी तरह की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।"

दिल्ली दौरे पर उट

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय दिल्ली दौरे के लिए रवाना हो गए हैं। दिल्ली में वे केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात करेंगे। इस दौरान प्रदेश से जुड़े विकास कार्यों और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।

बीएससी (कृषि) काउंसलिंग के तहत अभ्यर्थियों को महाविद्यालय और सीट आबंटित

कल तक दस्तावेजों का होगा परीक्षण, स्पॉट एवं कन्वर्शन काउंसलिंग 25 अगस्त से होगी प्रारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के बी.एस.सी. कृषि (ऑनर्स) स्नातक पाठ्यक्रम में नवीन शिक्षा नीति 2020 के तहत प्रवेश हेतु संचालित ऑनलाईन काउंसलिंग प्रक्रिया के तहत चयनित अभ्यर्थियों को पीएटी परीक्षा की प्रावीण्य सूची के आधार पर प्रोविजनल सीट एवं महाविद्यालय का आबंटन कर दिया गया है। कल से कृषि महाविद्यालय रायपुर में प्रातः 8 बजे से शाम 5:30 तक दस्तावेजों का परीक्षण किया जायेगा। चयनित अभ्यर्थियों को उन्हें आबंटित प्रोविजनल सीट सुरक्षित करने हेतु 23 अगस्त तक ऑनलाईन फीस जमा करना होगा।

काउंसलिंग समिति की अध्यक्ष डॉ. आरती गुहे अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय रायपुर ने बताया कि सीट आबंटन के पश्चात यदि चयनित अभ्यर्थी किसी कारण से सीट सुरक्षित नहीं कर पाता है और आगामी चरण की काउंसलिंग में भाग लेना चाहता है तो इस हेतु ऑनलाइन आवेदन करना होगा तथा ऐसे अभ्यर्थी जिन्हें अभी तक कोई सीट आबंटित नहीं हुई है, उन्हें भी स्पॉट एवं कन्वर्शन काउंसलिंग के लिए 20 से 24 अगस्त, 2026 तक (रात्रि 11:30 बजे) के मध्य ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

यदि अभ्यर्थी सीट सुरक्षित करने के पश्चात सीट निरस्त करना चाहता है और आगे किसी भी प्रक्रिया में भाग नहीं लेना चाहता है तो इस हेतु 20 से 24 अगस्त, 2026 तक, 2026 तक (रात्रि 11:30 बजे) के मध्य सीट

निरस्त करना होगा। आबंटित एवं रिक्त सीटों की जानकारी 25 अगस्त, 2026 को उपलब्ध कराई जाएगी। स्पॉट एवं कन्वर्शन काउंसलिंग हेतु पंजीकृत अभ्यर्थियों की सूची 25 अगस्त, 2026 को विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर अपलोड की जाएगी। स्पॉट काउंसलिंग हेतु प्रोविजनल सीट एवं महाविद्यालय का आबंटन 31 अगस्त से 01 सितम्बर, 2026 के मध्य किया जाएगा। तत्काल दस्तावेज परीक्षण एवं ऑनलाईन फीस जमा करने हेतु 31 अगस्त से 01 सितम्बर, 2026 तक अभ्यर्थियों को कृषि महाविद्यालय, रायपुर में उपस्थित होना होगा। कन्वर्शन काउंसलिंग हेतु प्रोविजनल सीट, महाविद्यालय आबंटन, तत्काल दस्तावेज एवं ऑनलाईन फीस जमा करने हेतु अभ्यर्थियों को कृषि महाविद्यालय रायपुर में 02 सितम्बर, 2026 को उपस्थित होना पडेगा। इच्छुक अभ्यर्थी काउंसिलिंग संबंधित दिशा-निदेर्शों की अधिक जानकारी हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.igkv.ac.in का अवलोकन कर सकते हैं।

आजीविका से जोड़ना आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम : वन मंत्री केदार कश्यप

वनौषधियों से महिलाओं को रोजगार की मिलेगी नई राह, मानव-हाथी द्वंद्व रोकने सामुदायिक भागीदारी पर दिया गया जोर

नई दृष्टिबिंदु रायपुर

आजीविका से जोड़ना आर्थिक सशक्तिकरण की मुख्य धुरी है। इससे व्यक्तियों और परिवारों को नियमित आय मिलती है, गरीबी कम होती है और समाज में उनका आत्मसम्मान बढ़ता है। यह कदम देश के समग्र विकास और आत्मनिर्भरता को मजबूत करता है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने अपने कोरबा प्रवास के दौरान यह बात कहा है कि वन केवल पर्यावरण संरक्षण का आधार नहीं, बल्कि वन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आजीविका का भी महत्वपूर्ण साधन हैं।

मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि वन संसाधनों का संरक्षण करते हुए उनका स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन किया जाए, तो महिलाओं और ग्रामीणों के लिए रोजगार तथा आय के नए अवसर तैयार किए जा सकते हैं। उन्होंने

कहा कि मानव-हाथी द्वंद्व की रोकथाम में वन विभाग के साथ स्थानीय समुदाय की भागीदारी और समय पर सूचना व्यवस्था बेहद महत्वपूर्ण है।

डोंगानाला में वनौषधि प्रसंस्करण केंद्र का अवलोकन : श्री कश्यप अपने कोरबा प्रवास के दौरान पाली विकासखंड के ग्राम डोंगानाला स्थित वनौषधि प्रसंस्करण केंद्र पहुंचे। उन्होंने यहां हरि बोल स्व-सहायता समूह की महिलाओं से आत्मीय संवाद किया और वनौषधियों के संग्रहण, प्रसंस्करण तथा उनसे तैयार किए जा रहे उत्पादों की जानकारी ली। उन्होंने समूह द्वारा तैयार उत्पादों का अवलोकन कर महिलाओं के प्रयासों की सराहना की।

वनौषधियों से मजबूत हो रही महिलाओं की आजीविका : श्री कश्यप ने कहा कि स्थानीय स्तर पर उपलब्ध वनौषधियों और अन्य वन उत्पादों का उचित प्रसंस्करण ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति दे सकता है। इससे वन आधारित उत्पादों को बेहतर मूल्य मिलेगा और स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की आय बढ़ाने के अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि महिला स्व-सहायता समूहों को वन आधारित आजीविका से जोड़ना आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। महिलाओं की मेहनत, स्थानीय संसाधनों का ज्ञान और समूह के रूप में काम करने की क्षमता को उचित सहयोग मिले, तो ग्रामीण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता की नई मिसालें तैयार की जा सकती हैं।

चोटिया में हाथी नियंत्रण केंद्र का निरीक्षण : श्री कश्यप ने पोड़ी-उपरोड़ा विकासखंड के चोटिया स्थित हाथी नियंत्रण केंद्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने हाथी मित्र दल के सदस्यों से क्षेत्र में हाथियों की गतिविधियों, ग्रामीण क्षेत्रों में उनकी आवाजाही और मानव-हाथी द्वंद्व की स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने हाथी मित्र दल को मोटरसाइकिल और सुरक्षा किट प्रदान की। इससे वन क्षेत्रों में निगरानी, गश्त और हाथियों की गतिविधियों की समय पर सूचना देने की व्यवस्था को और मजबूत करने में मदद मिलेगी।

समय पर सूचना और सतर्कता से कम होगा मानव-हाथी द्वंद्व : वन मंत्री श्री कश्यप ने आमजनों का अवगत कराया कि मानव-हाथी द्वंद्व की रोकथाम केवल वन विभाग की जिम्मेदारी नहीं है। इसके लिए वन विभाग, स्थानीय प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, वन प्रबंधन समितियों और ग्रामीणों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। हाथियों की गतिविधियों की समय पर जानकारी मिलने से ग्रामीणों को सतर्क किया जा सकता है और संभावित घटनाओं को रोकने में मदद मिलती है। उन्होंने हाथी मित्र दल और वन प्रबंधन समितियों के सदस्यों को ग्रामीणों की सुरक्षा के साथ हाथियों के संरक्षण को भी प्राथमिकता देने तथा लगातार निगरानी और समन्वय के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

वन संरक्षण में ग्रामीणों की भागीदारी महत्वपूर्ण : वन मंत्री केदार कश्यप ने स्थानीय वन प्रबंधन समितियों के सदस्यों से भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि वन क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीण वन और वन्यजीवों के संरक्षण के महत्वपूर्ण भागीदार हैं। उनके स्थानीय अनुभव और सहयोग से वन विभाग की संरक्षण गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वन संरक्षण, वन आधारित आजीविका और वन्यजीव सुरक्षा सहित इन तीनों क्षेत्रों में स्थानीय समुदाय को साथ लेकर आगे बढ़ना ही स्थायी विकास का मजबूत आधार है।

इस अवसर पर विधायक प्रेमचंद पटेल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, वन प्रबंधन समितियों के सदस्य, हाथी मित्र दल के सदस्य और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

संपादकीय

अपराध किया है तो सजा जरूर मिलनी चाहिए

लोकतंत्र में लोगों को कई तरह के अधिकार मिले हुए हैं,लोगों को मिले हुए अधिकार का उपयोग करने का हक है, अधिकार का जब सदुपयोग होता है तो उसका सब स्वागत करते हैं कि लोगों ने अपने अधिकार का उपयोग किया। अधिकार के सदुपयोग को कोई अपराध नहीं कहता है लेकिन जब अधिकार का दुरुपयोग होता है तो वह अपराध होता है। लोकतंत्र में हर तरह के अपराध को रोकने के लिए कानून है और पुलिस है। पुलिस का काम कानून व्यवस्था बनाए रखना और हर तरह के अपराध को रोकना है।देश के लोग पुलिस से यह अपेक्षा करते हैं कि उसका जो काम है वह अच्छी तरह से करे। जब भी वह अपना काम करती है तो कानून को न मानने वाले लोग, कानून व्यवस्था को बिगाड़ने वाले लोग यही आरोप लगाते हैं कि पुलिस ने अपना काम अच्छे से नहीं किया। हम लोगों के साथ ज्यादती की है। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचता है तो ज्यादातर लोग तो पुलिस के खिलाफ ही शिकायत लेकर पहुंचते है और पुलिस के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हैं।

जंतर मंतर आंदोलन के दौरान संसद मार्ग के दौरान पुलिस पर आरोप लगाया है कि उसने प्रदर्शनकारियों के साथ ज्यादती की है यानी उसने अति बल प्रयोग किया है, जितना बल उसे प्रयोग करना था, उससे ज्यादा बल प्रयोग किया है, इससे प्रदर्शनकारियों को चोट लगी है,वह घायल हुए हैं।अदालत को न्याय करना है,एक व्यवस्था देना है ताकि भविष्य इस तरह की घटना न हो इसलिए अदालत जब तक सभी पक्षों की सुन नहीं लेती तब तक कोई फैसला नहीं दे सकती। सभी पक्ष के पीड़ित पक्ष के लोगों की शिकायत सुनने के लिए कोर्ट ने एक उच्चस्तरीय समिति गठन करने का फैसला किया है। यह समिति पुलिस ज्यादती की जांच करेगी, साथ ही यह समिति और भी कई बातों की जांच करेगी,जैसे पुलिस पर किए हमले की जांच करेगी, प्रदर्शन में शामिल अपराधियों के मामले की जांच करेगी।समिति की रिपोर्ट मिलने के बाद यह तय किया जाएगा जिन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज है,उनमें किन लोगों का एफआईआर वापस हो सकता है कुछ लोगों ने आपत्ति की है इसलिए फेशियल रिकग्निशन टेक्नालॉजी,सर्विलांस प्राइवेसी और आर्टिकल 21 से जुड़े संवैधानिक सवालों पर फैसला करेगा।

छात्रों का आंदोलन हो या किसी भी वर्ग के लोगों का आंदोलन हो,आंदोलन की अनुमति देते वक्त वह लिखित में देते हैं कि उनका आंदोलन शांतिपूर्ण होगा, कुछ गड़बड़ होती है तो उसके लिए वह जिम्मेदार होंगे तो कोर्ट को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए और आंदोलन शांतिपूर्ण न होने पर आयोजकों को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए और उसकी सजा भी आयोजकों को मिलनी चाहिए। वह शांतिपूर्ण आंदोलन की जिम्मेदारी लेते हैं तो शांतिपूर्ण आंदोलन उनकी जिम्मेदारी होनी चाहिए।वह यह कहकर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते कि असामाजिक तत्व आंदोलन में शामिल हो गए और जो अपराध हुआ है,उसके लिए वह आयोजक जिम्मेदार नहीं है। यह तो पुलिस का काम था कि वह असामाजिक तत्वों को पकड़ती।पुलिस फेशियल रिकग्निशन टेक्नालाजी,सर्विलांस तकनीक का इस्तेमाल कर ऐसा करती है तो वकील लोग कोर्ट में कहते हैं कि पुलिस को यह करने का अधिकार नहीं है,ऐसे में पुलिस कैसे पता कर सकती है कि आंदोलन में असामाजिक तत्व शामिल थे,पुलिस ने इस तकनीक के जरिए है तो पता लगाया है कि 20 जुलाई के प्रदर्शन में ऐसे 2800 लोग शामिल थे।

सुप्रीम कोर्ट के सामने पुलिस का पक्ष भी आया है तो इससे पता चलता है कि पुलिस पर जो आरोप लगाया गया है वह आदतन लगाया गया है क्योंकि पुलिस को तो हमेशा कार्रवाई करने पर और कार्रवाई न करने पर दोनों तरफ से आरोपों का सामना करना पड़ता है। हकीकत यह है कि पुलिस के लिए जो नियम बने हुए हैं कि किस स्थिति में क्या करना है, वह स्थिति के अनुसार वही करती है। प्रदर्शनकारियों को आंदोलन की अनुमति थी,उनको आंदोलन करने से तो पुलिस ने नहीं रोका,संसद मार्ग बगैर अनुमति के किया गया था। वह गैरकानूनी था और पुलिस काम था वह कुछ भी गैरकानूनी न होने दे और पुलिस ने जो कुछ भी किया वह स्थिति के मुताबिक किया पुलिस ने कोर्ट को बताया है कि स्थिति क्या थी। 30 हजार लोग तीन किमी के दायरे में फैले हुए थे।उन्हें नियंत्रित करने के लिए मौके पर पांच हजार पुलिस कर्मी ही थे, भीड़ के नियंत्रण के बाहर होने पर ही संघर्ष हुआ और इस दौरान 240 पुलिस वाले व 200 आम लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने ज्यादती की होती तो सिर्फ आमलोग ही घायल हुए होते,पुलिस वाले ज्यादा घायल हुए हैं इससे साफ है कि ज्यादती तो पुलिस वालों के साथ भी हुई जबकि वह संसद,आम लोगों, सरकारी संपत्ति की सुरक्षा के लिए वहां थी। उसने जो किया सुरक्षा के लिए किया।इसके लिए पुलिस वालों की सराहना होनी चाहिए तो आलोचना हो रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने आंदोलन के बाद जिन लोगों के खिलाफ एफआईआर हुई है, उसकी सूची मांगी है ताकि जांचा जा सके कि किन लोगों की एफआईआर वापस हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट को संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत विशेष शक्ति प्राप्त है कि वह चाहे तो किसी के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस ले सकता है। सुप्रीम कोर्ट ऐसा करता है तो लगना चाहिए कि उसने अपने अधिकार का सदुपयोग किया है,ऐसा नहीं लगना चाहिए कि अपराध करने वालों के एफआईआर वापस लेकर सुप्रीम कोर्ट ने उनको फिर से अपराध करने का मौका दे दिया है। किसी ने भी अपराध किया है तो किए गए अपराध के मुताबिक उसे सजा तो मिलनी ही चाहिए।संसद मार्ग करके अपराध किया है,पुलिस पर हमला करके अपराध किया है तो ऐसा करने वालों को सजा जरूर मिलनी चाहिए। संसद मार्ग मामले में अभी फैसला आना है,उसके बाद साफ होगा जनता को पता चलेगा कि सुप्रीम कोर्ट ने जो किया वह कितना सही और कितना गलत था। सुप्रीम कोर्ट खुद ही कहता है कि न्याय होना ही नहीं चाहिए न्याय होते हुए भी दिखना चाहिए तो लोग इंतजार कर रहे हैं कि कैसा न्याय होता है।

ऊर्जा आत्मनिर्भरता की राह पर तेजी से आगे बढ़ता भारत

योगेश कुमार गोयल

अक्षय ऊर्जा आज केवल पर्यावरण संरक्षण का विकल्प नहीं बल्कि भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता, आर्थिक मजबूती और सतत विकास की अनिवार्य धुरी बन चुकी है। सूर्य, पवन, जल और जैव ऊर्जा की अपार संभावनाओं वाला भारत अब हरित हाइड्रोजन, बैटरी स्टोरेज और स्मार्ट ग्रिड जैसी तकनीकों के साथ ऊर्जा परिवर्तन की नई पटकथा लिख रहा है। स्वच्छ ऊर्जा ही सुरक्षित भविष्य की सबसे बड़ी उम्मीद है।

पृथ्वी पर ऊर्जा के परम्परागत साधन बहुत सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं, ऐसे में खतरा मंडरा रहा है कि यदि ऊर्जा के इन पारम्परिक स्रोतों का इसी प्रकार दोहन किया जाता रहा तो इन परम्परागत स्रोतों के समाप्त होने पर गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी। यही कारण है कि पूरी दुनिया में गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने की जरूरत महसूस की जाने लगी और इसी कारण अक्षय ऊर्जा स्रोतों से ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति करने के प्रयास शुरू हुए। अक्षय का अर्थ है, जिसका कभी क्षय न हो अर्थात अक्षय ऊर्जा वास्तव में ऊर्जा का असीम और अनंत विकल्प है और आज के समय में यह किसी भी राष्ट्र के अक्षय विकास का प्रमुख स्तंभ भी है। पिछले कुछ वर्षों से पर्यावरणीय चिंता को देखते हुए ऐसी ऊर्जा तथा तकनीकें विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिनसे ग्लोबल वार्मिंग की विकराल होती समस्या से दुनिया को कुछ राहत मिल सके। किसी भी राष्ट्र को विकसित बनाने के लिए आज प्रदूषणरहित अक्षय ऊर्जा स्रोतों का समुचित उपयोग किए जाने की आवश्यकता भी है। देश में अक्षय ऊर्जा के विकास और उपयोग को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए ही वर्ष 2004 से हर साल 20 अगस्त को अक्षय ऊर्जा दिवस भी मनाया जाता है।

आज न केवल भारत में बल्कि समूची दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। चर्चित पुस्तक प्रदूषण मुक्त सांसें के अनुसार इन गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ही एक ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगी लेकिन अक्षय ऊर्जा की राह में भी कई चुनौतियां मुंह बाये सामने खड़ी हैं। अक्षय ऊर्जा उत्पादन की देशभर में कई छोटी-छोटी

20 अगस्त अक्षय ऊर्जा दिवस

इकाइयां हैं, जिन्हें एक ग्रिड में लाना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है। इससे बिजली की गुणवत्ता प्रभावित होती है। भारत में अक्षय ऊर्जा के विविध स्रोतों का अपार भंडार मौजूद है लेकिन इनसे ऊर्जा उत्पादन करने वाले अधिकांश उपकरण विदेशों से आयात किए जाते हैं। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के अनुसार, कुछ साल पहले सौर ऊर्जा के लिए करीब 90 प्रतिशत उपकरण विदेशों से आयात किए गए थे, जिससे बिजली उत्पादन की लागत काफी बढ़ गई। अब भी भारत की सौर सेल और मॉड्यूल की जरूरत का अधिकांश हिस्सा आयात से ही पूरा हो रहा है। हालांकि हाल के वर्षों में एएलएमएम नियम और पीएलआई स्कीम के कारण यह निर्भरता घट रही है। 2023-24 में चीन से सौर सेल्स का 53 प्रतिशत और मॉड्यूल्स का 63 प्रतिशत भारत में आया।

देश में ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर भी तेजी से बढ़ रहा है। देश में कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता में अब बड़ा हिस्सा अक्षय ऊर्जा से प्राप्त हो रहा है, जिसमें सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायो-पावर और छोटे हाइड्रो प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। इसके अतिरिक्त अधिक बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं से तथा परमाणु ऊर्जा से भी अक्षय ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है। कुल बिजली उत्पादन में अब अक्षय ऊर्जा का हिस्सा अब लगातार बढ़ रहा है, जो भारत को दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल करता है। भारत में ऊर्जा खपत भी तेजी से बढ़ रही है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) का अनुमान है कि वर्ष 2040 तक भारत में ऊर्जा की कुल मांग वर्तमान की तुलना में लगभग दोगुनी हो जाएगी। विशेषकर बिजली तथा ईंधन के रूप में उपभोग की जा रही ऊर्जा की मांग घरेलू एवं कृषि क्षेत्र के अलावा औद्योगिक क्षेत्रों में भी लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक क्षेत्रों में ही बिजली तथा पैट्रोलियम जैसे ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोतों का लगभग 55 प्रतिशत उपभोग किया जाता है।

हम जिस बिजली से अपने घरों, दुकानों या दफ्तरों को रोशन करते हैं, जिस बिजली या पैट्रोलियम इत्यादि ऊर्जा के अन्य स्रोतों का इस्तेमाल कर खेती-बाड़ी या उद्योग-धंधों के जरिये देश को विकास के पथ पर अग्रसर किया जाता है, क्या हमने कभी सोचा है कि वह बिजली या ऊर्जा के अन्य स्रोत हमें कितनी बड़ी कीमत पर हासिल होते हैं? यह कीमत न केवल आर्थिक रूप से बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी धरती पर विद्यमान हर प्राणी पर बहुत भारी पड़ती है। भारत में थर्मल पावर स्टेशनों में बिजली पैदा करने के लिए प्रतिदिन लगभग 18 लाख टन कोयले की खपत होती है। आज भी देश की लगभग 70 प्रतिशत से अधिक बिजली कोयले से ही पैदा होती है, शेष बिजली अक्षय ऊर्जा स्रोतों, जल, गैस व परमाणु ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त होती है।

दुनियाभर में ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 75 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन बिजली उत्पादन से ही होता है। यही कारण है कि अब सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों को विशेष महत्व दिया जाने लगा है। अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, यदि अक्षय ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता पर विशेष ध्यान दिया जाए तो वर्ष 2050 तक वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 70 प्रतिशत तक घटाया जा सकता है। भारत ने भी 2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता हासिल करने और नेट जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य वर्ष 2070 तक प्राप्त करने का संकल्प लिया है। अक्षय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देने से हमारी ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर कम होता जाएगा और इससे प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सामाजिक जीवन स्तर में भी सुधार होगा।

भारत में अब ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, स्मार्ट ग्रिड, बैटरी स्टोरेज और इलैक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे कदम भी तेजी से आगे बढ़ाए जा रहे हैं, जो अक्षय ऊर्जा को व्यावहारिक और टिकाऊ बनाएंगे। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत वर्ष 2030 तक 5 मिलियन मीट्रिक टन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है, जिससे भारत न केवल अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगा बल्कि निर्यातक देश भी बन सकेगा। सही मायने में अक्षय ऊर्जा ही आज भारत में विभिन्न रूपों में ऊर्जा की जरूरतों का प्रमुख विकल्प है, जो पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ टिकाऊ भी है। भारत धीरे-धीरे ही सही, अब इस दिशा में आगे बढ़ रहा है और आज समय है कि हम आर्थिक बदहाली और भारी पर्यावरणीय विनाश की कीमत पर ताप, जल एवं परमाणु ऊर्जा जैसे पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भर रहने के बजाय अपेक्षाकृत बेहद सस्ते और कार्बन रहित पर्यावरण हितैषी ऊर्जा स्रोतों के व्यापक स्तर पर विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ें। साथ ही हमें ऊर्जा की बचत की आदतें भी अपनानी होंगी क्योंकि ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग ही हमें सुरक्षित, समृद्ध और स्वच्छ भविष्य की ओर ले जाएगा।

मायावती भी चुनावी मूड में, भतीजे को कमान, सतीश मिश्रा को नई जिम्मेदारी

संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में अब छह माह का समय बचा है, इसको देखते हुए बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने अभी से जमीन तैयार करनी शुरू कर दी है। पार्टी के भीतर बीते कुछ हफ्तों में जो संगठनात्मक फेरबदल हुए हैं, उनसे साफ संकेत मिलता है कि बसपा इस बार कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। एक तरफ मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को संगठन और चुनाव प्रचार की अगुवाई सौंपी है, तो दूसरी तरफ पार्टी के भरोसेमंद ब्राह्मण चेहरे सतीश चंद्र मिश्रा का कद और बढ़ा दिया गया है। यह दोहरी रणनीति बसपा के सामाजिक समीकरण और पारिवारिक उत्तराधिकार, दोनों मोर्चों को साधने की कोशिश मानी जा रही है। बसपा में उत्तराधिकार को लेकर पिछले कुछ वर्षों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है।

एक समय मायावती ने आकाश आनंद को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था, फिर विवादों के चलते उन्हें पार्टी पदों से हटाया भी गया। लेकिन विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही पार्टी ने उन्हें फिर से सक्रिय भूमिका में ला खड़ा किया है। अब आकाश आनंद राष्ट्रीय संयोजक के तौर पर सक्रिय हैं और उन्हें प्रत्याशियों के चयन की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी अगुवाई में होने वाले कार्यकर्ता सम्मेलनों में संभावित उम्मीदवारों के नामों पर मुहर लगाई जाएगी। इस नई भूमिका के तहत आकाश आनंद ने 10 अगस्त को हाथरस के सादाबाद से अपने अभियान की शुरूआत की। इसके बाद 25 अगस्त को गौतमबुद्ध नगर के जेवर में भी उनकी अध्यक्षता में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित होना तय है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, लखनऊ में हुई तीन दिवसीय बैठक के बाद यह फैसला लिया गया कि आकाश आनंद को अब यूपी और उत्तराखंड की राजनीति में सक्रिय भूमिका दी जाए, जबकि पहले उन्हें इन राज्यों की राजनीति से जानबूझकर दूर रखा गया था। पार्टी पदाधिकारियों का मानना है कि प्रचार अभियान की कमान संभालने से आकाश आनंद का सियासी कद और मजबूत होगा।

हालांकि मायावती ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि टिकट बंटवारे का अंतिम और सर्वोच्च फैसला सिर्फ वही लेंगी। इसमें आकाश आनंद की कोई निर्णायक भूमिका नहीं होगी। राजनीतिक हलकों में इस बयान को शक्ति-संतुलन बनाए रखने की एक सोची-समझी कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। मतलब साफ है कि प्रचार और संगठन की जिम्मेदारी भतीजे को, लेकिन असली सत्ता की डोर अभी भी मायावती के हाथ में ही रहेगी। इसी बीच बसपा ने एक और अहम संगठनात्मक फैसला लिया है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा की जिम्मेदारियां और बढ़ा दी गई हैं। अब वे कानूनी और मीडिया से जुड़े कामकाज के साथ-साथ चुनाव आयोग से संबंधित महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां भी संभालेंगे। मायावती ने खुद सोशल मीडिया पर लिखा कि यूपी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के तहत पार्टी का जनाधार सभी वर्गों में मजबूत किया जा रहा है, साथ ही प्रत्याशियों के चयन और उनकी घोषणा की प्रक्रिया भी विधानसभा-स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलनों के जरिए चल रही है। उन्होंने दावा किया कि बसपा की इन तैयारियों से विरोधी दलों में बेचैनी बढ़ गई है।

सतीश चंद्र मिश्रा को दी गई यह नई जिम्मेदारी अचानक नहीं आई है। बसपा के लिए ब्राह्मण वोट बैंक हमेशा से एक अहम सामाजिक समीकरण रहा है, और मिश्रा दशकों से इस समीकरण के केंद्र में रहे हैं। लेकिन हाल के वर्षों में पार्टी के कई कद्दावर ब्राह्मण नेता एक-एक कर साथ छोड़ते गए हैं। पूर्व मंत्री नकुल दुबे 2022 में कांग्रेस में चले गए, पूर्व मंत्री रामवीर उपाध्याय, रंगनाथ मिश्रा और विनय शंकर तिवारी जैसे नेता भी पार्टी से दूर हो चुके हैं। हाल ही में बसपा के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री अनंत कुमार मिश्रा उर्फ अंटू मिश्रा को भी पार्टी-विरोधी गतिविधियों के आरोप में निष्कासित किया गया। दिलचस्प बात यह है कि अंटू मिश्रा को सतीश चंद्र मिश्रा का करीबी माना जाता रहा है, और चर्चा यह भी थी कि वे चुनाव से पहले किसी दूसरे दल का रुख कर सकते हैं। इन घटनाक्रमों के बीच बसपा की सियासी नर्सरी से ब्राह्मण नेताओं का लगातार खिसकना पार्टी के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। ऐसे में मायावती का सतीश मिश्रा पर भरोसा जताना और उनकी जिम्मेदारियां बढ़ाना, इस बिखराव को थामने और बचे-खुचे ब्राह्मण जनाधार को एकजुट रखने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। पार्टी अब पूरी तरह से मिश्रा के चेहरे और उनके संगठनात्मक अनुभव पर दांव लगाना चाहती है, ताकि सर्व समाज के जनाधार वाली अपनी पुरानी छवि को दोबारा मजबूत किया जा सके।

दोहरी रणनीति के मायने

मायावती की यह दोहरी रणनीति एक तरफ पारिवारिक उत्तराधिकार को संस्थागत रूप देना, दूसरी तरफ सामाजिक समीकरणों को संभालने के लिए अनुभवी चेहरों को आगे रखना और बसपा के भविष्य की दिशा तय करने वाली मानी जा रही है। आकाश आनंद के जरिए पार्टी युवा और सक्रिय नेतृत्व का संदेश देना चाहती है, जबकि सतीश मिश्रा के जरिए पार्टी अपने परंपरागत सामाजिक आधार और अनुभव को धरकरार रखने की कोशिश कर रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बसपा के लिए 2027 का चुनाव सिर्फ सत्ता की लड़ाई नहीं, बल्कि पार्टी के अस्तित्व से जुड़ा सवाल भी है। बीते कुछ चुनावों में लगातार कमजोर होते प्रदर्शन के बाद पार्टी को अपने कोर वोट बैंक के साथ-साथ नए सामाजिक समीकरण बनाने की जरूरत है। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि आकाश आनंद की सक्रियता और सतीश चंद्र मिश्रा की नई भूमिका मिलकर बसपा के जनाधार को कितना विस्तार दे पाती है, और क्या पार्टी विरोधी दलों की उस बेचैनी को हकीकत में बदल पाती है, जिसका दावा मायावती खुद कर रही हैं।

हमें अपनी भाषा, जड़ और पृष्ठभूमि पर गर्व होना चाहिए : दुर्गेश सिंह

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में 'अभ्युदय-2026' का दूसरा दिन

नई दृष्टिबिंदु / भोपाल।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के नवागत विद्यार्थियों के प्रबोधन कार्यक्रम 'अभ्युदय-2026' में दूसरे दिन देशभर से आये पूर्व विद्यार्थियों ने नवागत विद्यार्थियों को संबोधित किया। सिनेमा के क्षेत्र में कार्यरत और बेबसीरीज 'गुल्लक' के लेखक दुर्गेश सिंह ने कहा कि हमें अपनी भाषा, अपनी जड़, अपनी जमीन और पृष्ठभूमि पर गर्व करना चाहिए। आज मुझे जो भी काम मिल रहा है, उसके पीछे मेरी भाषा, जमीन और पृष्ठभूमि है। उन्होंने कहा कि एआई आपको रिप्लेस करने नहीं आ रहा है। ये टूल्स हैं, इनका उपयोग करते आना चाहिए। दुनिया में इनका उपयोग किया जा रहा है। लेखन में भी एआई का उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमारी धार्मिक कहानियों पर खूब सिनेमा बन रहा है। हमारे दादी-नानी ने जो कहानियां सुनायीं हैं, वे हमारे लिए बहुत महत्व की हैं।

टीवी पत्रकारिता में सक्रिय एवं एंकर रवि मिश्रा ने कहा कि पत्रकारिता में संसाधनों का स्थान तो है लेकिन मूल्यों का महत्व अधिक है। जब हम यहां से पढ़कर निकलें तो कुछ मूल्य लेकर निकलें। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के दौरान नौकरी की चिंता मत कीजिए। इस दौरान केवल पढ़िए, सीखिए, कैंपस लाइफ जिएं, गलतियां कीजिये और उनसे सीखिए। उन्होंने विद्यार्थियों को कहा कि पत्रकारिता में आपका सबसे बड़ा साथी है, आपका स्वास्थ्य। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। तकनीक प्रबंधन के क्षेत्र में कार्यरत पूर्व विद्यार्थी अजीत कुमार ने कहा कि यहाँ से सीखकर आगे बढ़े, और सतत नया सीखते रहें।

डिजिटल पत्रकारिता में सक्रिय प्रसून मिश्रा ने विद्यार्थियों से कहा कि आप पढ़ाई के दौरान तीन काम अवश्य कर लें- 1. फील्ड की जो जरूरत है, उसकी समझ विकसित करना। इसके साथ ही यह भी तय कर लें कि दो साल के बाद में करना क्या चाहते हैं। 2. जिस विषय को आप पढ़ रहे हैं, उसकी गहरी समझ विकसित करें। 3. स्किल्स सीखें। जैसे- लिखना, बोलना, कैमेरा संचालन, वीडियो संपादन, लेआउट डिजाइन सीखें। स्किल्स को अच्छा करने के लिए रियाज करें। इसके साथ ही जब आप जॉब में जाएं तब अपने पोर्टफ्यूड और टेम्परामेंट पर काम करें क्योंकि वहां से आगे बढ़ने के लिए इनकी जरूरत पड़ेगी। बिजनेस पत्रकारिता में सक्रिय मीनाक्षी शर्मा ने कहा कि 22 साल बाद विश्वविद्यालय में लौटकर नए विद्यार्थियों से संवाद कर रही हूं तो अपने

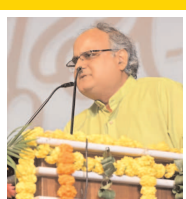

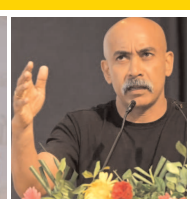

पुराने दिन याद आ रहे हैं। हमारे शिक्षकों ने केवल पाठ्यक्रम पूरा कराने पर ही जोर नहीं दिया अपितु उन्होंने जीवन भी सिखाया और करियर गढ़ने में भी दिशा दी। राजनीतिक संचार के क्षेत्र में सक्रिय पंकज झा ने कहा कि कुछ लिखना है, पढ़ना है और आगे बढ़ना है तो यह विश्वविद्यालय आपके लिए सबसे उपयुक्त जगह है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि हमें तीन काम अवश्य करना चाहिए- पढ़ना, पढ़ना और पढ़ना। हमारे क्षेत्र में पढ़ने का कोई विकल्प नहीं है।

पहले बैच (1991) के विद्यार्थी संजय सलिल ने ऑनलाइन जुड़कर विश्वविद्यालय की यात्रा पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि अत्यंत सीमित संसाधनों से शुरू हुआ यह विश्वविद्यालय आज अपने विशाल परिसर में पहुंच गया है। नवागत विद्यार्थियों से उन्होंने कहा कि कभी रुकिये नहीं, चलते रहेंगे तो लक्ष्य तक अवश्य पहुंच जाएंगे। पूर्व विद्यार्थी नीति सुधा ने प्राग से ऑनलाइन जुड़कर नए विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने मनोरंजन पत्रकारिता के सूत्र विद्यार्थियों के साथ साझा किए। फिल्म मेकिंग और स्क्रिप्ट राइटिंग की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाले नील रुद्रजीत मुखर्जी ने अक्को ठीक तरीके से उपयोग करने की सलाह दी और बताया कि आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत सारे प्रोग्राम अकसे ही लिखे जा रहे हैं। सुधांशु शेखर ने बताया कि एडवरटाइजमेंट, क्रिएटिव हेड्स और फिल्म मेकिंग के साथ आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने अपने बनाए फीडो प्लेटफार्म के बारे में बताया। पत्रकारिता के विश्वविद्यालय से टेक्नोलॉजी की पढ़ाई करने वाली मिताली उपाध्याय ने कम्युनिकेशन की ताकत को आज के समय में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण स्किल बताया। ललित कुमार ने कहा कि अक्को वैसाखी न बनाए और अन्य प्रचलित विदेशी भाषाओं को सीखने का प्रयास करें। पूर्व विद्यार्थी ओमप्रकाश रजक ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि कॉलेज के दिनों में की गई तैयारी ही आने वाले दिनों में सबसे बड़ी पूंजी होगी।

विज्ञापन के क्षेत्र में सक्रिय सुशील अग्रवाल ने कहा कि मैंने विश्वविद्यालय से 'समाचार पत्र प्रबंधन' का डिप्लोमा कोर्स किया था। इस कोर्स ने मेरी जिंदगी बदल दी। मीडिया की समझ लेकर मैंने विज्ञापन के क्षेत्र में काम करना प्रारंभ किया। पहले एक समाचार पत्र के विज्ञापन विभाग में काम शुरू किया, उसके बाद अपनी स्वयं की विज्ञापन एजेंसी शुरू की। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आप में संघर्ष करने की क्षमता है और एक लक्ष्य लेकर चलते रहेंगे तो एक दिन सफलता जरूर मिलेगी। उन्होंने कहा कि भारत में रोजगार के बहुत अवसर हैं।

लोकलाइजेशन इंडस्ट्री में कार्यरत शिखा शर्मा ने कहा कि मैंने विश्वविद्यालय में जो कुछ सीखा उसके कारण मीडिया में आत्मविश्वास से काम कर सकी। उन्होंने विद्यार्थियों को लोकलाइजेशन इंडस्ट्री की जानकारी दी। बिजनेस पत्रकारिता में सक्रिय अपर्णा झा ने कहा कि पढ़ाई के दौरान अपने रुचि के क्षेत्र चिन्हित कीजिए। रुचि का काम करने का अवसर बने तो आनंद आता है। डिजिटल पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार आनंद पांडेय ने कहा कि व्यक्तिगत और संस्थागत स्तर पर ऑथेंटिसिटी और इंटेग्रिटी बनाकर रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि यदि आप अपना ब्रांड बनाना चाहते हैं तो इन दोनों बातों को अपनाना होगा। हम जैसा बोलते हैं, वैसा ही हमें करना और दिखना चाहिए। श्रवण करें, मनन करें और निदिध्यासन करें।

पहले बैच के विद्यार्थी और वरिष्ठ पत्रकार दीपक पगारे ने बताया कि इस विश्वविद्यालय की स्वीकार्यता और लोकप्रियता निरंतर बढ़ती गई है। विश्वविद्यालय में हमें जो व्यवहारिक और सैद्धांतिक ज्ञान मिला, उसने हमारा जीवन बनाया है। डिजिटल मीडिया में कार्यरत वरिष्ठ पत्रकार सुमित पांडेय ने कहा कि विश्वविद्यालय में सीखने की प्रक्रिया ही आपको अच्छा पत्रकार बनाएगी। विश्वविद्यालय में विभिन्न अवसरों पर कुमार विश्वास, पीयूष मिश्रा जैसे दिग्गज आते हैं, हमें उनकी यात्रा से सीखना चाहिए। उन्होंने सिंहस्थ कवरेज के अपने अनुभव सुनकर बताया कि इस तरह के बड़े आयोजनों को किस तरह कवर किया जाता है। उन्होंने कहा कि एक अच्छा पत्रकार वह होता है, जो पाठकों को केंद्र में रखकर समाचार बनाता है। 1998-2000 बैच की विद्यार्थी तारिका ने अमेरिका से, 2002-2004 बैच के विद्यार्थी विनोद नागर ने दुबई से और 2011-2013 के बैच के छात्र सुमित रंजन ने प्राग से, 2013-2017 बैच के विद्यार्थी इंजिप्ट से आशीष सिंह ने और मंतोष सिंह ने दुबई से ऑनलाइन जुड़कर संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में 2026 में प्रथम आने वाले विद्यार्थियों को प्रावीण्यता प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

कृषि भूमि के फर्जी विक्रय कराने के मामले में पाटन पुलिस ने किया दो आरोपियों को गिरफ्तार

लंबे समय से फरार चल रहे आरोपियों को पाटन पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा, न्यायिक रिमांड पर भेजा

नई दृष्टिबिंदु / पाटन-दुर्ग

ग्राम कुम्हली में संयुक्त नाम की कृषि भूमि को कथित रूप से फर्जी तरीके से विक्रय कराने के मामले में पाटन पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों को विधिवत न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से दोनों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार थाना पाटन में अपराध क्रमांक 42/2023 के तहत धारा 420, 467, 468, 471, 120-बी, 34 भादवि के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर विवेचना की जा रही थी। शिकायत ग्राम कुम्हली स्थित संयुक्त नाम की कृषि भूमि के विक्रय से संबंधित थी।

विवेचना में सामने आया कि आरोपी ईश्वर दास ने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर कथित षड्यंत्र के तहत अपने सगे भाई संजय कुमार के स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति को संजय कुमार के रूप में

प्रस्तुत कर कृषि भूमि का विक्रय कराया। इस विक्रय पत्र में आरोपी दिलीप बंजारे को क्रेता तथा कन्हैया बंजारे को गवाह बनाया गया था।

मामले में आरोपी ईश्वर दास को पुलिस ने पूर्व में 7 जून 2026 को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया था। वहीं दिलीप बंजारे और कन्हैया बंजारे घटना के बाद से फरार चल रहे थे। पाटन पुलिस द्वारा लगातार फरार आरोपियों की पतासाजी करते हुए उनके संभावित ठिकानों पर निगरानी रखी जा रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों की घेराबंदी कर 19 अगस्त 2026 को गिरफ्तार कर लिया।

पहचान का गलत उपयोग कर कराया भूमि का विक्रय

पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने भूमि के वास्तविक हिस्सेदार की पहचान का गलत उपयोग करते हुए उसके स्थान पर दूसरे व्यक्ति को प्रस्तुत कर कृषि भूमि के विक्रय की प्रक्रिया में सहयोग किया। मामले में विक्रय दस्तावेज में दिलीप बंजारे को क्रेता और कन्हैया बंजारे को गवाह बनाया गया था।

गिरफ्तार आरोपी में : दिलीप बंजारे (51 वर्ष), निवासी वार्ड क्रमांक 27, सिरसा भाठा, ग्राम सिरसाकला, थाना पुरानी भिलाई, जिला दुर्ग। कन्हैया बंजारे (52 वर्ष), निवासी सत्यम चौक, वार्ड क्रमांक 08, दिलीप किराना के पास, भिलाई-03, थाना पुरानी भिलाई, जिला दुर्ग।

पाटन पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका : फरार आरोपियों की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी पाटन निरीक्षक राजेश मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम ने लगातार आरोपियों की पतासाजी, संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाने और घेराबंदी कर गिरफ्तारी की कार्रवाई की।

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि भूमि अथवा अन्य संपत्ति की खरीदी-बिक्री करने से पहले संबंधित दस्तावेजों, स्वामित्व, हिस्सेदारी और पक्षकारों की पहचान का विधिवत सत्यापन अवश्य करें। किसी भी प्रकार की जालसाजी, कूटरचना या धोखाधड़ी की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि ऐसे मामलों में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

यूथ सिख सेवा समिति ने किया हरबंश कौर का अंतिम संस्कार

भिलाई। कोहका निवासी हरबंश कौर का बुधवार को निधन हो गया। उनके अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी यूथ सिख सेवा समिति भिलाई और बाबा बूढ़ा जी गुरुद्वारा साहिब ने मिलकर निभाई। यूथ सिख सेवा समिति भिलाई की अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह की माता कुलवंत कौर ने बताया कि हरबंश कौर उम्र 58 वर्ष कोहका गुरुद्वारा साहिब में नियमित रूप से आती थीं। उनका घर विवेकानंद नगर कोहका में है और घर में केवल उनकी बुजुर्ग मां रहती हैं। सूचना मिलते ही यूथ सिख सेवा समिति भिलाई के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह ने तुरंत टीम को अंतिम संस्कार के लिए भेजा। शाम होने वाली थी, ऐसे में गुरुद्वारा कमेटी ने मृतका को नहलाकर तैयार किया और अंतिम अरदास की। इसके बाद आगे की सेवा यूथ सिख सेवा समिति भिलाई द्वारा की गई। हरबंश कौर का अंतिम संस्कार रामनगर मुक्तिधाम में किया गया। इस दौरान मृतका के एक परिचित भाई ने मुखाग्नि दी।

डॉ.सोनाली चक्रवर्ती के साथ

आज हम भारतीय नहीं सिर्फ पाटियों के समर्थक बन कर रह गए है

आजकल हम सब केवल भारतीय नहीं रह गए हैं, हम किसी न किसी पार्टी विशेष के समर्थक बन गए हैं। यह इस समय की सबसे बड़ी और सबसे दुखद सच्चाई है। हम किसी से मोहब्बत भी करते हैं तो उसमें सिर्फ अच्छाइयां नहीं देखते बुराइयां भी नजर आती है। किसी भी रिश्ते में सिर्फ प्यार की बातें नहीं झगड़े भी होते हैं।

पहले हम किसी व्यक्ति को प्यार करते थे तो उसकी अच्छाई और बुराई दोनों देखते थे। उसके गलत काम पर उसे टोकते भी थे। लेकिन आज का समर्थक ऐसा नहीं करता। उसे अपनी पार्टी की हर बात अच्छी लगती है और दूसरी पार्टी की हर एक बात बुरी।

आज लोग बुरी बातों पर तुरंत रिएक्ट कर जाते हैं, पर अच्छी बातें सुनना ही नहीं चाहते। अगर उनकी अपनी पार्टी का नेता कोई गलत बात भी कहे तो वे उसे समर्थन देते हैं, और अगर विरोधी पार्टी का कोई नेता देश हित की बात भी कहे तो उसे ट्रोल करना शुरू कर देते हैं। हम सोचते ही नहीं कि हम कर क्या रहे हैं। हम सिर्फ आपस के रिश्ते खराब कर रहे हैं। किसी पार्टी का समर्थन करते हुए हम देश के बारे में नहीं सोचते, समाज के बारे में नहीं सोचते, अपने शहर की स्वच्छता के बारे में नहीं सोचते, अपने बच्चों के भविष्य के बारे में नहीं सोचते। हम सिर्फ उस पार्टी और उसकी सत्ता के बारे में सोचते हैं।

हर पार्टी का काम देश के लिए अच्छा काम करना है। फिर हम एक-दूसरे की पार्टी से तुलना क्यों करते हैं? चुनाव का समय आता है तो तुलना होनी चाहिए कि किसने बेहतर काम किया, कौन बेहतर विजन दे रहा है। लेकिन हम तुलना नीतियों की नहीं, गालियों की करते हैं। यह भी एक बहुत कड़वी सच्चाई है कि कोई पार्टी अपने किए अच्छे कामों से अधिक दूसरों की निंदा में समय व्यतीत करते हैं

सबसे ज्यादा नुकसान दोस्ती और रिश्तों को हो रहा है। आज व्हाट्सएप ग्रुप में एक राजनीतिक मैसेज आता है और दो अच्छे दोस्तों में झगड़ा हो जाता है। फेसबुक पर एक कमेंट से सालों की दोस्ती टूट जाती है। परिवार में चाचा-भतीजे, जीजा साले, भाई बहन के बीच बहस होने लगती है। आखिर क्यों? क्योंकि हमने मान लिया है कि जो मेरी पार्टी से सहमत नहीं है, वह मेरा दुश्मन है। जो मेरे नेता की आलोचना करे, वह देश का दुश्मन है।

क्या हम सोच पा रहे हैं कि यह 'सोच' बहुत खतरनाक है। राजनीतिक पार्टियां सत्ता में पांच साल के लिए आती- जाती रहेंगी, नेता बदलते रहेंगे सत्ता बदलती रहेगी लेकिन आपका दोस्त, आपका पड़ोसी, आपका भाई, आपका समाज - वही रहेगा।

हमें समझना होगा कि समर्थक होना गलत नहीं है पर गलत बातों का समर्थन गलत है। अपनी पार्टी से प्यार करो, लेकिन इतना नहीं कि देश से प्यार करना भूल जाओ। अपनी पार्टी का समर्थन करो, लेकिन इतना नहीं कि सच सुनना बंद कर दो। जब हम किसी को प्यार करते हैं तो उसे सही रास्ता दिखाते हैं। वैसे ही अगर आप किसी पार्टी से सच में प्यार करते हैं तो उसकी गलती पर उसे टोकना भी सीखिए। वरना हम जीत किसकी करा रहे हैं? पार्टी की या नफरत की? अंत में देश रहेगा, समाज रहेगा, और हम सबको यहीं एक-दूसरे के साथ ही रहना है। पार्टी के लिए रिश्ते मत तोड़िए, रिश्तों के लिए देश को बचाइए।

जिला न्यायालय दुर्ग में POSH Act व श्रम कानूनों पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

सुरक्षित कार्यस्थल की दिशा में साझा ज़िम्मेदारी का दिया संदेश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

एक सुरक्षित कार्यस्थल केवल नियमों से नहीं बनता वह तब बनता है, जब हर व्यक्ति अपनी भूमिका को समझे और गरिमा, सम्मान तथा समानता को रोजमर्रा के व्यवहार का हिस्सा बनाए। इसी सोच के साथ जिला न्यायालय दुर्ग के नवीन सभागार में कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 (POSH Act) तथा महिलाओं के अधिकार एवं श्रम कानून विषय पर विशेष जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यक्रम का मुख्य संदेश था - Safe Workplace is Everyone's Responsibility. उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के. विनोद कुजूर थे। उनके अतिरिक्त कुटुंब न्यायालय की प्रधान न्यायाधीश श्रीमती सुमन एक्का, विशाखा समिति की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता टोप्पो, सदस्यगण, समस्त न्यायिक अधिकारीगण, अधिवक्ता संघ दुर्ग के सदस्य अधिवक्तागण एवं अन्य अधिवक्तागण तथा श्रम विभाग की लेबर इंस्पेक्टर विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस कार्यशाला की सबसे महत्वपूर्ण बात थी इसका समावेशी दृष्टिकोण। POSH Act को केवल महिलाओं से जुड़ा विषय मानने के बजाय, इस बार न्यायालय के पुरुष अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी सक्रिय रूप से सहभागी बनाया गया। महिला कर्मचारियों के लिए आयोजित प्रथम चरण के बाद यह विशेष सत्र इस विचार पर केंद्रित रहा कि लैंगिक समानता और सुरक्षित कार्यस्थल केवल एक वर्ग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे संस्थान की साझा ज़िम्मेदारी है।

तकनीकी सत्रों में षष्टम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती श्यामवती मरावी ने POSH Act, 2013 के प्रमुख प्रावधानों, आंतरिक शिकायत समिति के गठन तथा शिकायतों की निष्पक्ष और संवेदनशील जांच की प्रक्रिया पर व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया।

दूसरे सत्र में स्थायी लोक अदालत की अध्यक्ष श्रीमती सुषमा लकड़ा ने भारतीय श्रम कानूनों के महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा करते हुए मातृत्व लाभ, कार्य के घंटे, समान अवसर तथा महिलाओं के कार्यस्थल संबंधी अधिकारों की जानकारी दी।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के. विनोद कुजूर ने कार्यस्थल पर गरिमा, परस्पर सम्मान और संवेदनशील व्यवहार को संस्थागत संस्कृति का अनिवार्य हिस्सा बताया तथा सभी से इसे व्यवहार में उतारने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का समापन चतुर्थ अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (FTSC POCSO) अनीश दुबे के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

कार्यशाला का सार यही रहा कि POSH Act केवल शिकायत की स्थिति में लागू होने वाला कानून नहीं, बल्कि सम्मान, संवेदनशीलता और accountability की workplace culture विकसित करने का माध्यम है। इसी दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए प्रतिभागियों को यह संदेश दिया गया कि हर कर्मचारी—चाहे वह किसी भी पद पर हो—एक सुरक्षित कार्यस्थल के निर्माण में योगदान देता है।

डॉ. पंकज शर्मा भारतीय मानक ब्यूरो की एग्रो-टेक्सटाइल्स समिति के अध्यक्ष नियुक्त

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान, रायपुर के संयुक्त निदेशक डॉ. पंकज शर्मा को उनके विशेषज्ञता, अनुभव और मानकीकरण गतिविधियों में निरंतर योगदान के लिए भारतीय मानक ब्यूरो की एग्रो-टेक्सटाइल्स TXD 35 समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

एग्रो-टेक्सटाइल्स समिति भारतीय मानक ब्यूरो के अंतर्गत गठित एक तकनीकी समिति है, जो एग्रो-टेक्सटाइल्स सामग्रियों एवं उत्पादों से संबंधित मानकीकरण कार्यों, जिसमें विनिर्देश, परीक्षण विधियां, तकनीकी शब्दावली तथा गुणवत्ता संबंधी आवश्यकताएं शामिल हैं, पर कार्य करती है। यह समिति एग्रो-टेक्सटाइल्स उत्पादों की गुणवत्ता, प्रदर्शन, सुरक्षा और एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए भारतीय मानकों के विकास एवं उनके पुनरीक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

प्रख्यात पादप रोग विज्ञानी डॉ. शर्मा को पादप रोग प्रबंधन, पादप-रोगजनक अंतःक्रिया तथा जैविक स्ट्रेस प्रबंधन के क्षेत्र में व्यापक अनुभव है। इससे पूर्व वे भारतीय सरसों अनुसंधान संस्थान, भरतपुर में प्रधान वैज्ञानिक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर में सहायक प्राध्यापक के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। डॉ. शर्मा ने फ्रांस स्थित रेपसीड एवं कैनोला नवाचार हेतु वैश्विक परिषद तथा वैज्ञानिक पैनल सहित कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक निकायों में योगदान दिया है।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया, चीन, कनाडा, स्वीडन, फ्रांस और जर्मनी में आयोजित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक मंचों पर भारतीय अनुसंधान का प्रतिनिधित्व किया है। डॉ. शर्मा वर्ष 2016 से एग्रो-टेक्सटाइल्स समिति के सक्रिय सदस्य रहे हैं। अध्यक्ष के रूप में उनकी नियुक्ति भारतीय मानक ब्यूरो की मानकीकरण गतिविधियों में उनके दीर्घकालिक योगदान और वैज्ञानिक विशेषज्ञता की महत्वपूर्ण पहचान है।

उनके नेतृत्व से समिति के कार्यों को गुणवत्ता मानकों, नवाचार, सतत विकास और वस्त्र क्षेत्र में वैज्ञानिक प्रगति को और मजबूत करने में नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

सड़क सुरक्षा के लिए प्रशासन की पहल, आवारा मवेशियों को पकड़ने चलेगा विशेष अभियान

नई दृष्टिबिंदु / धमतरी

जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग, प्रमुख मार्गों एवं शहर के भीतर सड़कों पर आवारा मवेशियों के कारण बढ़ते सड़क दुर्घटना के खतरे को देखते हुए प्रशासन द्वारा विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत सड़कों एवं सार्वजनिक स्थलों पर घूमने वाले आवारा मवेशियों को पकड़कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की कार्रवाई की जाएगी।

सड़क सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम विभिन्न क्षेत्रों में नियमित रूप से भ्रमण कर आवारा मवेशियों की पहचान एवं उन्हें हटाने की कार्रवाई करेगी। पकड़े गए मवेशियों को निर्धारित गौशाला एवं पशु आश्रय स्थलों में पहुंचाया जाएगा, जहां उनके लिए आवश्यक देखभाल, चारा-पानी एवं अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी।

राष्ट्रीय राजमार्ग एवं प्रमुख मार्गों के किनारे आवश्यकतानुसार चेतावनी एवं यातायात संबंधी सूचना बोर्ड लगाए जा रहे हैं। साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों में यातायात पुलिस की निगरानी एवं गश्त बढ़ाई जाएगी, ताकि मवेशियों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं की आशंका को कम किया जा सके।

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि सड़क पर आवारा मवेशियों की मौजूदगी सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समन्वित रूप से

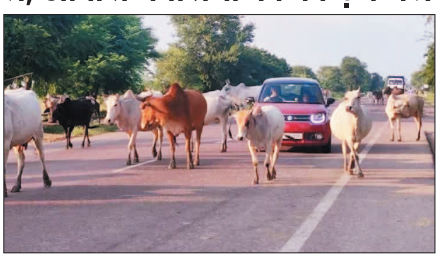

अभियान चलाकर सड़कों से मवेशियों को सुरक्षित हटाने तथा संवेदनशील मार्गों पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें नागरिकों की सहभागिता भी महत्वपूर्ण है। पशुपालक अपने मवेशियों को खुले में न छोड़ें और उन्हें सुरक्षित स्थान पर रखें, ताकि स्वयं मवेशियों के साथ-साथ राहगीरों की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सके।

प्रशासन ने नागरिकों एवं पशुपालकों से अभियान में सहयोग करने की अपील की है। नागरिक सड़कों पर आवारा मवेशियों की सूचना संबंधित नगरीय निकाय अथवा प्रशासनिक अधिकारियों को दें। सामूहिक सहयोग से आवारा मवेशियों की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण के साथ जिले में सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकेगी।

संस्कृत महोत्सव 2026 25 से अधिक विद्यालयों के 300 विद्यार्थी लेंगे हिस्सा, 80 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों का होगा सम्मान

23 अगस्त को भिलाई में सजेगा संस्कृत, संस्कृति और प्रतिभा का भव्य मंच

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

संस्कृत के संरक्षण, संवर्धन और विद्यार्थियों में संस्कृत के प्रति रुचि एवं गौरवबोध जागृत करने के उद्देश्य से संस्कृत मित्र मंडल, भिलाई द्वारा आयोजित संस्कृत महोत्सव 2026 की तैयारियां जोरशोर से चल रही हैं। रविवार, 23 अगस्त 2026 को दोपहर 12 बजे आर्य समाज मंदिर, सेक्टर 6, भिलाई में होने वाले इस भव्य समारोह की तैयारियों को संस्कृत शिक्षकों एवं संस्कृत मित्र मंडल के सदस्यों ने अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है।

महोत्सव में संस्कृत की बोर्ड परीक्षा में शत प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले 80 से अधिक विद्यार्थियों का सम्मान किया जाएगा। वहीं संस्कृत समूह गीत प्रतियोगिता में लगभग 150 विद्यार्थी भाग लेंगे। जिले के 25 से अधिक विद्यालय इस आयोजन में सक्रिय सहभागिता कर रहे हैं। विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को मंच देने के लिए संस्कृत पोस्टर निर्माण, संस्कृत ग्रीटिंग कार्ड निर्माण, संस्कृत सुलेख तथा हिंदी निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिताएं दो वर्गों में होंगी। प्रथम वर्ग में कक्षा 6 से 8 तथा द्वितीय वर्ग में कक्षा 9 एवं उससे ऊपर के विद्यार्थी भाग लेंगे।

आभा चौरसिया ने कहा कि संस्कृत केवल भाषा नहीं, बल्कि भारत की ज्ञान, संस्कृति और संस्कार परंपरा की संवाहक है।

ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को संस्कृत से आत्मीय रूप से जोड़ने और उनकी रचनात्मक प्रतिभा को सामने लाने का प्रभावी माध्यम हैं।

जॉली थॉमस ने कहा कि संस्कृत भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों की समृद्ध विरासत को समझने का सशक्त माध्यम है। प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थी संस्कृत को पढ़ने के साथ गाने, लिखने और रचनात्मक रूप से अभिव्यक्त करने का अवसर प्राप्त करेंगे।

संस्कृत मित्र मंडल के महासचिव डॉ. अजय आर्य ने कहा कि संस्कृत को केवल प्राचीन भाषा मानकर सीमित करना उचित नहीं है। यह भारतीय ज्ञान विज्ञान, दर्शन, साहित्य, संस्कृति और संस्कारों की जीवंत भाषा है। महोत्सव का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत से जोड़ते हुए उन्हें अपनी सांस्कृतिक जड़ों और भारतीय ज्ञान परंपरा से परिचित कराना है। उन्होंने कहा कि 25 से अधिक विद्यालयों की सहभागिता और लगभग 150 विद्यार्थियों की भागीदारी संस्कृत के प्रति बढ़ते आकर्षण का प्रमाण है।

संस्कृत महोत्सव की सफलता के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि संस्कृत भारत की गौरवशाली परंपरा और धरोहर को अक्षुण्ण बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। संस्कृत मित्र मंडल का यह प्रयास विद्यार्थियों में संस्कृत के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ समाज को नई दिशा देगा। संस्कृत भारतीय ज्ञान विज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक पहचान की भाषा है।

समारोह में मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल, अति विशिष्ट अतिथि वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन तथा विशिष्ट अतिथियों में नीरज खरया, साहित्यकार विजय कुमार गुप्ता 'मुन्ना', अवनी भूषण पुरंग, योगी जी राम साहू, हेमा सक्सेना, ऋचा श्रीवास्तव, अंजू ठाकुर एवं संबंधित प्राचार्य उपस्थित रहेंगे। प्रतियोगिताओं के निर्णायक के रूप में प्रेम प्रकाश शास्त्री, पी. आर. साहू और मोहनलाल आर्य सहित अन्य विद्वान उपस्थित रहेंगे।

आयोजन की तैयारियों में आभा चौरसिया, प्रीति भट्ट, शीला लाकुडकर, जॉली थॉमस, वंदना सिंह, झरना धमदे, डॉ. अजय आर्य, वेद प्रकाश, सूर्य प्रकाश, धीरज आर्य, अमित कुमार मिश्र, सलिल चंद्र प्रकाश और धीरज मणि सहित संस्कृत मित्र मंडल के सदस्य सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। विद्यालयों से समन्वय, विद्यार्थियों की सहभागिता, प्रतियोगिताओं की व्यवस्था और अतिथियों के स्वागत सहित सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

आयोजकों ने जिले के सभी विद्यालयों, संस्कृत शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से संस्कृत महोत्सव में उत्साहपूर्वक सहभागिता का आह्वान किया है। संस्कृत, संस्कृति और विद्यार्थियों की प्रतिभा का यह संगम भिलाई में संस्कृत चेतना को नई ऊर्जा देने के साथ नई पीढ़ी को भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बनेगा।

अवैध खाद भंडारण और जैव उत्प्रेरक के खिलाफ कृषि विभाग की कार्रवाई, गोदाम किया गया सील

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

खरीफ मौसम वर्ष 2026 में किसानों को गुणवत्ता युक्त कृषि आदान उपलब्ध कराने और उर्वरकों तथा कीटनाशकों के नियम विरुद्ध बिक्री पर रोक लगाने के लिये कृषि विभाग ने कार्यवाही तेज कर दी है। जिला प्रशासन के निर्देश पर औचक निरीक्षण के दौरान विभाग ने खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के गंडई स्थित दो कृषि केन्द्रों पर कार्यवाही की गई है।

बाजार चौक स्थित हरिओम कृषि केन्द्र, गंडई के द्वारा विभाग को गुमराह कर अवैध रूप से गोदाम का संचालन किया जा रहा था। प्रारंभिक जांच के दौरान विभाग ने तत्काल कार्यवाही करते हुए धमधा रोड़ स्थित अवैध गोदाम को सील कर गोदाम में मौजूद समस्त संदेहास्पद कीटनाशकों एवं उर्वरकों को जप्त कर संबंधित कृषि केन्द्र के संचालक नीरज अग्रवाल को सुपुर्द की गई एवं विभाग ने आगे की कार्यवाही प्रारंभ कर दी है। इसी प्रकार राघवेन्द्र कृषि केन्द्र में उर्वरक नियंत्रण आदेश का उल्लंघन पाये जाने के पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिना निर्धारित प्रक्रिया के कीटनाशकों एवं उर्वरकों का विक्रय, स्टॉक का उचित संधारण नहीं करना, अनुज्ञप्ति में निर्धारित शर्तों का उल्लंघन एवं निर्धारित मानकों के विपरित कीटनाशकों एवं उर्वरकों का व्यापार किये जाने पर संबंधित विक्रेताओं के विरूद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही की जावेगी।

बिना स्त्रोत प्रमाण पत्र के जैव उत्प्रेरक भी जप्त

कृषि विभाग ने बिना स्त्रोत प्रमाण पत्र के कीटनाशकों एवं उर्वरकों का विक्रय एवं भंडारण किये जाने पर भी तीन कृषि केन्द्र संचालकों के विरूद्ध कार्यवाही की है। निरीक्षण के दौरान खैरागढ़ विकासखंड अंतर्गत दक्ष एग्रोटेक रेंगाकठेरा में 250 लीटर अवैध जैव उत्प्रेरक को जप्त कर प्रकरण कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया है। साथ ही भंडारणपुर स्थित सूर्यांश कृषि केन्द्र एवं परसाही स्थित प्राची कृषि केन्द्र में बिना अनुज्ञप्ति के जैव उर्वरक का विक्रय किये जाने पर स्टॉक को जप्त कर वैधानिक कार्यवाही प्रारंभ कर दिया है।

जोक्स

चुड़ैल

बहू रोए जा रही थी, सास ने पुचकारते हुए पूछा- क्यों बेटी! रो क्यों रही हो?
बहू: क्या मैं चुड़ैल जैसी दिखती हूं?
सास: नहीं, बिल्कुल नहीं।
बहू: क्या मेरी आंखें मेंढकी की तरह हैं?
सास: नहीं तो।
बहू: क्या मेरी नाक पकौड़े जैसी है?
सास: नहीं।
बहू: क्या मैं भैंस जैसी मोटी और काली हूं?
सास: नहीं बेटी, बिल्कुल नहीं।
बहू: फिर सारे मोहल्ले के लोग क्यों कहते फिरते हैं कि तू तो अपनी सास जैसी दिखती है।

बड़े हो गए

आंटी: अरे बेटा, तुम तो बड़े हो गए।
लड़का: हां आंटी और कोई ऑप्शन ही नहीं था मेरे पास।

भूत

मास्टर जी: मर भी गया तो मैं तुझे करता रहूंगा प्यार। इस पंक्ति के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?
पप्पू: सर इसका मतलब है कि कवि अपनी प्रेमिका को भूत बनकर डराना चाहता है।

प्रेस

पति: मेरी शर्ट जल्दी करके प्रेस करना।
पत्नी: ठीक है।
पति कुछ देर बाद: मेरी शर्ट प्रेस हो गई?
पत्नी: नहीं।
पति: क्यों?
पत्नी: मुझे जल्दी नहीं आ रही है।

होमवर्क

छात्र: सर जी।
मास्टर: हां बोलो।
छात्र: मैंने जो काम नहीं किया क्या आप उसकी सजा मुझे देंगे?
मास्टर: नहीं, बिल्कुल नहीं। बोलो क्या बात है?
छात्र: मैंने आज होमवर्क नहीं किया।

आध्यात्मिक रूप से स्वयं को रखें स्वस्थ

पूरी तरह नैचरल लाइफ जीने के लिए आयुर्वेदिक टिप्स के रूप में आपके हाथों में एक सफल फिटनेस गोल का सुनिश्चित नुस्खा हो सकता है, यदि आप खुद को प्राकृतिक रूप से स्वस्थ रखने का मन बना लें। आयुर्वेद प्राचीन स्वास्थ्य जीवन प्रणाली है, यह आपको शारीरिक, मानसिक या आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ और बलवान बनाने का कार्य करता है।

क्या आप दिनभर के काम के बाद थका महसूस करते हैं? क्या आपको सुबह उठने और जिम को जाने या योगा सत्र को पूरा करने के लिए उत्साह की कमी अनुभव होती है? यदि इन समस्याओं से बचने के लिए आप कैफीन युक्त चाय या कॉफी का उपयोग करते हैं तो इसे तुरंत बंद कर दें और आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों जैसे- अश्वगंधा, ब्राम्ही और तुलसी के काढ़े का उपयोग करें। इनकी चाय या काढ़ा बनाकर आप अपनी थकान को दूर कर सकते हैं। इन जड़ी बूटियों का उपयोग करने से मानसिक तनाव में कमी होती है और शरीर में लचीलापन यानी फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ती है। आपकी ऊर्जा का स्तर उच्च बना रहता है।

स्टैमिना का निर्माण

मानसिक तनाव और शारीरिक गतिविधि दोनों ही आपस में बहुत अच्छी तरह जुड़े हुए हैं। मानसिक तनाव में वृद्धि होती है तो शारीरिक गतिविधि में कमी आ जाती है और शारीरिक गतिविधि में कमी होती है तो मानसिक तनाव बढ़ने लगता है। इससे आपका स्टैमिना यानी काम करने की क्षमता कम होती है। शतावरी जैसी जड़ी बूटी का उपयोग आपको इस समस्या से निजात दिलाने में पूरी तरह कारगर है। अश्वगंधा और ब्राम्ही की तरह ही शतावरी भी आपके शरीर में ऑक्सीजन का स्तर बढ़ाती है। इससे आप लंबे समय तक खुद को ऊर्जावान अनुभव करते हैं और थकान का असर आपके शरीर और दिमाग पर देखने को नहीं मिलता है। इससे मांसपेशियों में दर्द, खिंचाव, जकड़न की समस्या नहीं होती है। इसलिए आप शतावरी का उपयोग भी नियमित रूप से कर सकते हैं। यहां हम एक बात पूरी तरह स्पष्ट करना चाहते हैं कि यह सच है कि आयुर्वेदिक दवाओं का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है। लेकिन यदि इन औषधियों की जानकारी के अभाव में गलत तरीके से लिया जाए, तो अन्य बीमारियां आपको घेर सकती हैं। इसलिए आप आयुर्वेदिक चिकित्सक और वैद्य से परामर्श के बाद ही इन जड़ी बूटियों का उपयोग करें।

मेटाबॉलिज्म

यदि आपको लगता है कि आपके शरीर का मेटाबॉलिक रेट यानी उपापचय की प्रक्रिया धीमी है तो आपको अपने दैनिक आहार में कुछ खास चीजों को जरूर शामिल करना चाहिए। उपापचय उस प्रक्रिया को कहते हैं, जो भोजन के द्वारा प्राप्त तत्व से आपके शरीर को एनर्जी देने का काम करती है। ताकि आप सही प्रकार से अपना जीवन जी सकें। इसके लिए आप अपने दैनिक आहार में धनिया, सौंफ, जीरा, लौंग, बड़ी इलायची, काली मिर्च इत्यादि को सम्मिलित करें। सीमित मात्रा में इन मसालों का नियमित उपयोग शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का काम करता है। अपने दैनिक आहार में धनिया के बीज, दालचीनी, जीरा और जायफल जैसे वाइल्ड के साथ मसाले मिलाएं, सभी सही और पर्याप्त अनुपात में मिश्रित होते हैं जो शरीर में एनर्जी वापस ला सकते हैं।

नियमित रूप से मालिश

शरीर की नियमित रूप से मालिश के लिए आपको किसी महंगे कॉस्मेटिक ऑइल की जरूरत नहीं है। बल्कि आप इसके लिए शुद्ध देसी सरसों के तेल का उपयोग करें। देसी तेल शरीर की मालिश के लिए एक अच्छा विकल्प है। सरसों का तेल एंटिबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है। साथ ही यह तासीर में गर्म होता है। इस कारण यह त्वचा के रोगों से मुक्ति दिलाने का काम करता है। शरीर पर किसी भी तरह के बैक्टीरिया और फंगस को पनपने से रोकता है। शरीर द्वारा सोख लिए जाने के बाद यह अंदर जाकर नसों को लचीला और हड्डियों को मजबूत बनाने का काम करता है।

ध्यान और व्यायाम

ध्यान मानसिक सेहत के लिए और व्यायाम शारीरिक सेहत के लिए बहुत जरूरी है। ये दोनों ही विधाएं आयुर्वेद की देन हैं और इनका नियमित रूप से अभ्यास करने पर शरीर हर प्रकार के रोग से मुक्त रह सकता है। इसलिए आपको अपने दैनिक जीवन में ध्यान और व्यायाम को शामिल करना चाहिए।

सुबह खाली पेट पिए पानी

इसमें कोई शक नहीं कि पानी हमारे लिए खाना खाने जितना ही जरूरी है। हमारे शरीर के कुल वजन का दो तिहाई हिस्सा पानी ही होता है। इसके द्वारा हमें कई सारे पोषक तत्व मिलते हैं। साथ ही शरीर में मौजूद हानिकारक तत्व भी इसके द्वारा आसानी से बाहर निकल जाते हैं। नियमित रूप से पानी पीकर हम शरीर का वजन बढ़ने से रोक सकते हैं साथ ही और कई बीमारियों से भी बच सकते हैं। लेकिन अगर आप त्वचा की चमक बढ़ाना चाहते हैं साथ ही लंबे समय से चले आ रहे कब्ज की समस्या से छुटकारा पाने का आसान तरीका ढूंढ रहे हैं तो सुबह-सुबह खाली पेट पानी पीना है इसके लिए बेहद फायदेमंद।

- सुबह उठते ही सबसे पहले खाली पेट पानी पीने से शरीर में मौजूद विषैले पदार्थ बहुत ही आसानी से बाहर निकल जाते हैं। खून साफ हो जाता है जिससे सबसे पहला असर आपको अपने चेहरे पर देखने को मिलता है। एक अलग ही चमक और रौनक नजर आती है।
- कब्ज से परेशान हैं तो सुबह उठते ही खाली पेट कम से कम दो से तीन ग्लास पानी पीने की आदत डालें। कुछ हफ्तों तक इसे जरूर फॉलो करें जिसका फायदा आपको महसूस होने लगेगा। पेट साफ होने के बाद आप जो कुछ भी खाते हैं उसका पूरा फायदा शरीर को पहुंचता है। साथ ही कब्ज दूर होने से अन्य दूसरी गंभीर बीमारियों से भी बचा जा सकता है।
- अगर आप वजन जल्द घटाना चाह रहे हैं तो सुबह उठकर पानी पीने की आदत डालें। इससे मेटाबॉलिज्म में सुधार होता है जो वजन घटाने और मोटापा कम करने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- सुबह उठकर पानी पीने से मासिक धर्म, पेशाब, गले और किडनी से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा मिलता है।
- सुबह उठकर पानी पीने से शरीर में नई कोशिकाएं बनती हैं। मांसपेशियों में किसी प्रकार का दर्द है तो दूर होता है साथ ही वे मजबूत होती हैं।

प्रेग्नेंसी में करें इन चीजों का सेवन

प्रेग्नेंसी के दौरान खाई जाने वाली चीजों का शिशु के विकास पर सीधा असर पड़ता है। इसलिए गर्भवती स्त्रियों को पोषक तत्वों से भरपूर चीजें खाने से परहेज नहीं करना चाहिए। इस दौरान कौन-से सुपर फूड जरूर खाने चाहिए, जानने के लिए पढ़िए यह लेख।

पालक, फॉलिक एसिड से भरपूर : यह फॉलिक एसिड का महत्वपूर्ण स्रोत है, जो गर्भवती स्त्रियों के लिए बेहद जरूरी पोषक तत्व माना जाता है। इसमें विटामिन, मिनरल्स और कैल्शियम की भी भरपूर मात्रा होती है। इसलिए इसे डाइट में जरूर शामिल करें।

डेयरी प्रोडक्ट्स, कैल्शियम का स्रोत : गर्भावस्था में कैल्शियम बेहद आवश्यक है। डेयरी प्रोडक्ट्स कैल्शियम के सबसे महत्वपूर्ण स्रोत हैं। हड्डियों और दांतों की सुरक्षा के अलावा ये शिशु के विकास में भी मददगार हैं। प्रेग्नेंसी के दौरान रोज एक ग्लास दूध के अलावा अन्य डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे- चीज, पनीर, दही, छाछ आदि का भी सेवन किया जाना चाहिए।

दालें, प्रोटीन भरपूर : दालों में प्रोटीन भरपूर मात्रा में होता है। इनमें आयरन, जिंक, कैल्शियम, फोलेट जैसे तत्व भी होते हैं। इसलिए गर्भावस्था के दौरान इन्हें अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

मौसमी फल : गर्भवती स्त्री की भोजन की थाली में मौसमी फल बेहद आवश्यक हैं। अलग-अलग रंगों के फल पोषक तत्वों, विटामिन्स, एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं। इसलिए हरे, पीले, नारंगी, लाल, बैंगनी रंग के फल-सब्जियां नियमित खाएं। विटामिन-सी से भरपूर नींबू, आंवले या संतरे का सेवन भी जरूर करें। ये प्रेग्नेंसी के दौरान स्किन से संबंधित दिक्कतों को दूर कर सकते हैं।

कैल्शियम से युक्त टोफू : इसमें न सिर्फ कैल्शियम बल्कि कैल्शियम बल्कि मैग्नीज, आयरन, विटामिन्स ए और के भी पाया जाता है। इसमें फॉलिक एसिड भी होता है इसलिए गर्भावस्था में इसे डाइट का हिस्सा बनाएं।

बदलना है बोरिंग घर का डेकोर

घर की खूबसूरती हमारा हर दिन बना सकती है। यह हमारा सबसे कंफर्ट जोन होता है। घर को अक्सर लोग मेकओवर करते रहते हैं। घर का लुक बदलने के लिए यह काफी जरूरी होता है। बहुत से लोग पैसों के चलते घर का मेकओवर करने से बचते हैं। लेकिन सस्ते में भी घर का मेकओवर कर सकते हैं।

पुराने फर्नीचर को बनाएं नए जैसा

घरों में रखा फर्नीचर अगर पुराने हो जाते हैं तो ये घर का लुक बिगाड़ने का काम करते हैं। इसका कतई यह मतलब नहीं हुआ कि पुराने फर्नीचर को फेंक दें। आप इस फर्नीचर की रिपेयरिंग कराएं, उसकी सफाई कर सकते हैं। बाजार से कवर लाकर पुराने फर्नीचर पर लगा सकते हैं। इससे वह नए जैसा दिखेगा और घर भरा-भरा खूबसूरत बन जाएगा।

बदल दें घर के पर्दे

घर के पर्दे बदलकर भी मेकओवर कर सकते हैं। पर्दे घर की खूबसूरती में चार-चांद लगाने का काम करते हैं। घर में छोटे बच्चे हैं तो डार्क कलर के पर्दे ही लगाएं। ये जल्दी गंदे नहीं होते हैं। गर्मी में फ्लोरल प्रिंट वाले पर्दे चुनना समझदारी होता है। ये घर को डिफरेंट लुक देते हैं। इसलिए जब भी घर का मेकओवर करें तो पर्दों को जरूर बदलें।

घर को इस तरह सजाएं

आजकल ऑनलाइन चीजें मंगवाने का जमाना है। ऑनलाइन काफी कुछ सस्ता मिलता है। ऐसे में आप घर को सजाने के लिए शोपीस मंगवा सकते हैं। कम दाम में ये शोपीस घर के लुक को बदलने का काम करेंगे। शोपीस जब भी खरीदें गोल्डन कलर में ही खरीदें। इसे आप अपने हॉल में रख सकते हैं। किसी खाली दीवार की स्पेस अप करने के लिए वॉल हैंगिंग एक अच्छा ऑप्शन है।

फैंसी झूमर : क्लासिक मिड-इंटीरियर डिजाइन क्लासिक पैटर्न और फर्नीचर को आधुनिक स्पर्शों के साथ मिक्स करती है। एक्सेंट लाइटिंग और क्रिस्टल या कैंडल स्टैंड जैसे सेंटरपीस से बने लटकन, झूमरों या काउची, कॉर्निस वाली छत को खूबसूरत बनाती है।

कुछ डिफरेंट सजावट : फ्रेंच इंटीरियर डिजाइन में हाथ से कढ़ाई किए गए मोतियों, रिबन वाले कुशन को कांसे/चांदी के आभूषणों, क्रिस्टल, चीनी मिट्टी की मूर्तियों, पुराने सूती कपड़े की पेंटिंग और बड़े नक्काशीदार फ्रेम में सजाया जाता है।

रंगों का चुनाव : रंगों की बात करें तो आमतौर पर आइवरी, हल्का नीला, प्लेटिनम, ग्रे, हरा, पीला, लैवेंडर और अन्य पेस्टल रंगों का इस्तेमाल कर सकते हैं। टैक्सचर, प्रिंट, तामझाम और प्रिंटेड पैटर्न का अत्यधिक उपयोग करने से बचें।

थोड़ा सोच लें शादी के लिए हां करने से पहले

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि लड़का और लड़की दोनों के जीवन में शादी उन खुशनुमा पलों में से एक है जिसका न जाने उन्हें कब से इंतजार रहता है। एक तरफ जहां लड़की दुल्हन, अंगूठी, कपड़े, डांस रिहर्सल और डेट नाइट्स डिनर के बारे में सोच-सोचकर ही खुश होती रहती है, तो वहीं शादी करने जा रहे लड़के को हर पल इस बात की चिंता रहती है कि क्या वह शादी संग से आने वाली जिम्मेदारियों को संभाल पाएगा भी या नहीं। यह बात अलग है कि शादी के शुरुआती दिनों में एक-दूसरे के लिए सब कुछ करना अच्छा लगता है। लेकिन जब प्यार का पर्दा नजरों से उतरता तो वही सपनों से सजी गृहस्थी बिखरती हुई सी नजर आती है। एक रिश्ते या शादी को सुचारू रूप से चलाना पूरी तरह दो लोगों की अंडरस्टैंडिंग और उनके बीच हुए कसमों-वादों पर निर्भर करता है। लेकिन जरा सा भी बैलेंस बिगड़ा तो सब धरा का धरा रह जाएगा।

- **घर का खर्चा :** अगर होने वाले पति-पत्नी दोनों ही वर्किंग हैं, तो उन्हें सबसे पहले एक-दूसरे से घर खर्च के बारे में तमाम सवाल पूछ लेने चाहिए। बिना किसी हिचकिचाहट के उन्हें इस बात पर जोर देना चाहिए कि शादी के बाद घर का खर्च कैसे बंटेगा? अगर आपकी इनकम अपने पति से कम है तो आप किन-किन जिम्मेदारियों को उठाने में सक्षम हैं। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि एक शादी में वित्तीय स्वतंत्रता सबसे ज्यादा मायने रखती है।
- **घर की जिम्मेदारियां :** घर बसाने के लिए समय और धैर्य की सबसे ज्यादा जरूरत होती है और यह उन लोगों के लिए सबसे ज्यादा मुश्किल हो जाता है जिनकी लाइफस्टाइल बहुत ज्यादा बिजी होती है। ऐसे रिश्ते कुछ समय के लिए तो चल जाते हैं, लेकिन समय के साथ-साथ उनका बोझ दोनों लोगों की फीलिंग्स को खोखला कर देता है। ऐसे में अगर आप दोनों ही शादी करने को तैयार हैं तो घर की जिम्मेदारियों को विभाजित करना भी सही रहेगा।
- **फैमिली प्लानिंग :** यह एक सवाल है जिसको ज्यादातर लड़कियां पूछना तो चाहती हैं, लेकिन परिवार के दबाव, शर्म से संकोच की वजह से पूछ नहीं पातीं। ऐसी लड़कियों को इस बात को ऐसे समझना चाहिए कि यही सवाल आपके करियर और आने वाली जिंदगी को सुखमय बना सकता है। ऐसे में अपने पार्टनर से आप कुछ कितने बच्चे चाहते हैं? बच्चों के लिए किस तरह का जीवन होना चाहिए? या लाइफ में फैमिली प्लानिंग को लेकर क्या गोल्स हैं, इन्हें पूछने में जरा भी कोताही नहीं बरतें।
- **परिवार के साथ रहना :** बहुत सी लड़कियों को इस बात से आपत्ति होती है कि उन्हें शादी के बाद परिवार के साथ रहना पड़ा तो उनकी आजादी बहुत हद तक खत्म हो जाएगी। इस बात को अगर शादी से पहले क्लियर कर लिया जाए तो शायद आपको किसी निष्कर्ष तक पहुंचने में आसानी होगी।

बाल कहानी

चैरी का तरीका

चैरी कौवी बहुत नटखट थी। वह अपनी दादी रीवा की लाडली थी। उसे दादी से कहानी सुनना बहुत पसंद था। एक दिन दादी उसे अपने पुरखों की कहानी सुनाते हुए बोलीं, बेटी, बहुत पहले की बात है। एक कौवा प्यासा होने पर पानी की तलाश में घूम रहा था। तभी उसे एक घड़ा नजर आया। उसने झांककर देखा, तो उसमें पानी था, लेकिन काफी कम था। यह देखकर उसने पानी में कुछ कंकड़-पत्थर डाले जिससे पानी ऊपर आ गया और उसने अपनी प्यास बुझाई। कहानी सुनकर चैरी बोली, दादी, इतने सारे पत्थर डालते-डालते तो वह कौवा बहुत थक गया होगा। दादी बोलीं, बेटी, लेकिन उसने अपनी प्यास तो बुझा ली न। हमारे सामने कभी ऐसी समस्या आती है, तो हम भी इसी तरीके से अपनी प्यास तो बुझा सकते हैं।

चैरी बोली, दादी, आप तो अब भी पुराने जमाने की ही बातें करती हैं। हम आखिर कब तक पानी में कंकड़-पत्थर डाल कर अपनी प्यास बुझाते रहेंगे? अब समय आ गया है कि कोई नया तरीका सोचा जाए, जिसमें ज्यादा समय और मेहनत भी न लगे और हम पानी भी पी लें। उसकी बातें सुनकर दादी के चेहरे पर मुस्कुराहट आ गई। वह बोलीं, चलो, देखती हूं कि क्या तुम कभी ऐसा कोई नायाब तरीका सोच पाओगी? खैर, अभी तो हमें पानी की कोई परेशानी नहीं है। नंदनवन में चारों ओर हरियाली है। यहां के तालाब साफ-स्वच्छ पानी से हमेशा भरे रहते हैं।

चैरी बोली, दादी, नंदनवन में तो सब ठीक है, पर पता है, आजकल इंसानों की बस्ती में पानी की बहुत कमी हो गई है। हमारी साइंस की मैडम पिंटो हमें कल बता रही थीं कि गर्मी के मौसम में इंसानों को पीने का पानी भी नहीं मिल पा रहा है। बहुत सारे इंसान तो पानी के लिए आपस में लड़ाई भी कर रहे हैं। चैरी की बातें सुनकर दादी परेशान हो गईं। चैरी उत्सुकता से बोली, दादी, नंदनवन से इंसानों की बस्ती कितनी दूर होगी? दादी बोलीं, ज्यादा दूर नहीं है। पर तुम यह क्यों पूछ रही हो? चैरी बोली, मेरी प्यारी दादी, कल संडे है। कल तुम मुझे घुमाने के लिए इंसानों की बस्ती की ओर ले चलो न। अगले दिन खाना खाने और पानी पीने के बाद दादी चैरी के साथ इंसानों की बस्ती की ओर चल पड़ीं। दोनों उड़ते-उड़ते दिल्ली पहुंचीं। दादी बहुत थक गई थीं। वे जिस बस्ती में उतरीं, वहां पानी की बहुत किल्लत थी। बस्ती में सफाई न होने के कारण बदबू आ रही थी। वहां उन्होंने देखा कि एक बच्चा सार्वजनिक नल पर हाथ धोने आया और नल खुला छोड़ गया। यह देखकर चैरी तुरंत नल के पास गई और अपनी चोंच से उसे बंद करने लगी। यह देखकर वहां मौजूद लोगों ने चैरी के नल बंद करते हुए सीन का वीडियो बना लिया। एक इंसान बोला, यार, हम लोग आए दिन पानी बर्बाद करते हैं। हमसे बेहतर तो ये पक्षी हैं, जो पानी की कीमत समझते हैं। यह सुनकर सब चैरी को प्रशंसा की नजरों से देखने लगे।

चैरी बोली, दादी, अब हम वापस अपने नंदनवन चलते हैं। इसके बाद वे दोनों नंदनवन की ओर उड़ चलीं। गर्मी तेज थी, इसलिए चैरी की दादी उड़ते-उड़ते थक गईं। वह बोलीं, बेटी, चलो कहीं चलकर पानी पिएं। मुझे बहुत प्यास लग रही है। काफी ढूंढने के बाद उन्हें एक घड़ा नजर आया। उसने घड़े में झांककर देखा तो उसे अपने पूर्वजों की याद आ गई। घड़े में पानी बहुत कम था। चैरी ने पानी तक पहुंचने की बहुत कोशिश की, लेकिन असफल रही। तभी उसकी नजर कुछ दूरी पर पड़े एक प्लास्टिक के स्ट्रॉ पर पड़ी जिसे देखकर उसके दिमाग में एक आइडिया आया। उसने फटाफट वह स्ट्रॉ उठाया और घड़े के पास रख दिया। इसके बाद वह अपनी दादी को अपने साथ वहीं ले आई।

फिर उसने उस स्ट्रॉ के एक सिरे को घड़े के अंदर डाला और दूसरे सिरे को अपने पंजों से पकड़ लिया। दादी ने उस पतली स्ट्रॉ से उसी तरह पानी पी लिया जैसे इंसानों के बच्चे स्ट्रॉ से कोल्ड ड्रिंक पीते हैं। फिर चैरी ने भी इसी तरह पानी पिया। दोनों खुशी-खुशी घर की ओर लौट चलीं।

पावर लिफ्टिंग में छत्तीसगढ़ के खेल मंच पर चमका मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी

राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में जिले के खिलाड़ियों ने जीते 16 पदक, 7 स्वर्ण के साथ टीम चैंपियनशिप पर जमाया कब्जा

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के प्रयासों के बीच मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर प्रदेश के खेल मानचित्र पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। धमतरी में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले के द फिटनेस पाठशाला जिम, अंबागढ़ चौकी से जुड़े 14 खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन और कठिन परिश्रम का प्रदर्शन करते हुए कुल 16 पदक हासिल किए। इनमें 7 स्वर्ण, 8 रजत और 1 कांस्य पदक शामिल हैं। पदकों के शानदार प्रदर्शन के आधार पर मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी की टीम ने टीम चैंपियनशिप का खिताब भी अपने नाम किया। यह उपलब्धि जिले में विकसित हो रही खेल संस्कृति और ग्रामीण एवं छोटे शहरों से निकलकर राज्य स्तर पर अपनी पहचान बना रहे खिलाड़ियों की प्रतिभा का प्रमाण है।

खुशी धालेंद्र ने दो स्वर्ण के साथ जीता जूनियर बेस्ट लिफ्टर का खिताब

प्रतियोगिता में जिले के खिलाड़ियों ने विभिन्न वर्गों में दमदार प्रदर्शन किया। खुशी धालेंद्र ने दो स्वर्ण पदक जीतने के साथ छत्तीसगढ़ जूनियर बेस्ट लिफ्टर का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि ने जिले की खेल प्रतिभाओं को नई पहचान दिलाई। पंकज नेताम ने स्वर्ण पदक हासिल किया। रवि कुमार ने एक स्वर्ण, चिन्मय ने दो स्वर्ण तथा सहिल निराला ने एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीतकर जिले की पदक तालिका को मजबूत किया। वहीं गजेंद्र, रेशमी, रीत, डेजी, करण, सजल शिवहरे, बिलाल और निखिल पटवा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किए।

आनिया खान का संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन

जिले की युवा खिलाड़ी आनिया खान का स्कूल गेम्स वेटलिफ्टिंग में संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। यह उपलब्धि जिले में खेल प्रतिभाओं के लगातार उभरने और विभिन्न खेल विधाओं में युवाओं की बढ़ती रुचि को दर्शाती है। खिलाड़ियों के इस प्रदर्शन से मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के खेल जगत में उत्साह का माहौल है। जिले के खिलाड़ियों की उपलब्धि से आने वाले समय में राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें बढ़ी हैं।

कलेक्टर ने खिलाड़ियों को सम्मानित कर बढ़ाया उत्साह

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के बाद सभी खिलाड़ी एवं कोच से कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने मुलाकात की। खिलाड़ियों ने कलेक्टर को प्रतियोगिता में हासिल किए गए 16 पदकों और टीम चैंपियनशिप की उपलब्धि की जानकारी दी। कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने खिलाड़ियों की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी खिलाड़ियों और कोच को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें उपहार भी प्रदान किए और भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए प्रोत्साहित किया।

खेल सुविधाओं के विस्तार की मांग पर कलेक्टर ने दिया सहयोग का भरोसा

मुलाकात के दौरान खिलाड़ियों और कोच ने जिले में पावरलिफ्टिंग सहित अन्य खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक सुविधाओं और संसाधनों से संबंधित चर्चा भी कलेक्टर से की। कलेक्टर ने खिलाड़ियों एवं खेल प्रतिभाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में सहयोग पर विस्तार से चर्चा की। जिला प्रशासन से मिले इस प्रोत्साहन से खिलाड़ियों में उत्साह और आत्मविश्वास का संचार हुआ। खिलाड़ियों एवं कोच ने कलेक्टर के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशासन से मिलने वाला प्रोत्साहन उन्हें आगे और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है।

खास खबर

सुकुलदैहान में सुरक्षा चक्र के तहत नि:शुल्क कैंसर जांच शिविर आयोजित, 49 ग्रामीणों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

विकासखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुकुलदैहान में जिला प्रशासन और बाल्को मेडिकल सेंटर नवा रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में सुरक्षा चक्र अभियान के अंतर्गत नि:शुल्क कैंसर जांच व परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा 49 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर जरूरी चिकित्सीय परामर्श दिया गया।

मुख, स्तन व गर्भाशय कैंसर की हुई जांच : शिविर में पहुंचे मरीजों में 40 वर्ष से अधिक आयु के 31 तथा 40 से कम आयु के 18 लोग शामिल रहे। शरीर में असामान्य लक्षण, गांठ या असाध्य शिकायत वाले मरीजों की बारीकी से जांच की गई। इस दौरान 19 मरीजों का मैमोग्राफी, 14 का पैप स्मीयर परीक्षण, 4 का लो डेंसिटी ब्रेस्ट जांच तथा 2 मरीजों में ब्रेस्ट लंप की आशंका पर विशेष परीक्षण किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों और डॉक्टरों ने दी सेवाएं : शिविर में बाल्को के विशेषज्ञ डॉ. राजेंद्र प्रसाद पटेल एवं शिविर प्रबंधक विजेंद्र साहू ने अपनी सेवाएं दीं। आयोजन के दौरान संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शीतल बंसल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन, जिला कार्यक्रम प्रबंधक संदीप ताम्रकार, बीएमओ डॉ. उषा विंध्यराज तथा पीएचसी प्रभारी डॉ. आनंद बंसोड़ सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर शोरूम में 11 लाख रुपए के गबन का मैनेजर गिरफ्तार, भेजा गया जेल

राजनांदगांव। राजनांदगांव शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्रांतर्गत ट्रैक्टर शोरूम के मैनेजर द्वारा 11 लाख रुपए से अधिक की धोखाधड़ी और गबन का मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी मैनेजर को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, बीजेपी कार्यालय के सामने स्थित अरुण एग्रीकल्चर के संचालक ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप है कि शोरूम में मैनेजर के पद पर कार्यरत कुमुद उपाध्याय (52 वर्ष), निवासी इंदिरा नगर वृंदावन कॉलोनी ने 1 अप्रैल 2025 से 7 अप्रैल 2026 के बीच किसानों को बेचे गए ट्रैक्टर और कृषि उपकरणों की कुल 14,61,393 रुपए की बिक्री राशि फर्म में जमा नहीं की। पूछताछ और जांच के दौरान आरोपी ने गबन स्वीकार करते हुए 3,03,500 रुपए वापस कर दिए, जबकि शेष 11,07,893 रुपए का गबन कर लिया।

मामले की शिकायत पर पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन और थाना प्रभारी उपेन्द्र कुमार शाह के नेतृत्व में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया। आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जहां जुर्म कबूलने पर उसके कब्जे से खाता बही जब्त की गई। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में उप निरीक्षक सुमेन्द्र कुमार खरे, प्रधान आरक्षक जी. सिरिल कुमार व स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

रक्षाबंधन पर्व के मद्देनजर 23 अगस्त तक चलेगा बने खावो- बने रहिबो 2.0 अभियान

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

रक्षाबंधन पर्व के मद्देनजर आम नागरिकों को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण एवं मानक खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन, छत्तीसगढ़ द्वारा प्रदेशभर में 17 अगस्त से 23 अगस्त 2026 तक सात दिवसीय ध्वने खाबो-बने रहिबो 2.0 सघन खाद्य सुरक्षा प्रवर्तन एवं जन-जागरूकता अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान के दौरान मिलावटी, अमानक, मिथ्याछाप एवं असुरक्षित मिठाइयों के निर्माण एवं विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण के साथ-साथ 31 जुलाई 2026 को प्रकाशित राजपत्र अधिसूचना के अनुसार प्रतिबंधित अमानकीकृत डेयरी एनालॉग अथवा गैर-दुग्ध किंतु दुग्ध-उत्पाद-सदृश खाद्य पदार्थों की पहचान कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। ऐसे अमानकीकृत डेयरी एनालॉग अथवा गैर-दुग्ध किंतु दुग्ध उत्पाद-सदृश खाद्य पदार्थ, जो उपभोक्ता को वास्तविक दुग्ध उत्पाद होने का आभास कराते हैं, उनके निर्माण, प्रसंस्करण, भंडारण, परिवहन, वितरण एवं विक्रय पर प्रतिबंध लगाया गया है।

इन प्रतिष्ठानों पर रहेगा विशेष फोकस

अभियान के दौरान विशेष रूप से मिठाई एवं कन्फेक्शनरी के थोक विक्रेताओं, वितरकों एवं आपूर्तिकर्ताओं, मौसमी एवं अस्थायी मिठाई निर्माताओं, ग्रामीण एवं छोटे बाजारों के मिठाई विक्रेताओं, होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा एवं स्ट्रीट फूड प्रतिष्ठानों की जांच की जाएगी। बिना लेबल अथवा भ्रामक नाम/लेबल के साथ अथवा इन्गेडिएण्ट्स की घोषणा के बिना बिकने वाली डिब्बाबंद मिठाइयों पर भी विशेष निगरानी रखी जाएगी।

विशेष रूप से ऐसी मिठाइयों की पहचान की जाएगी जिन्हें वास्तविक दुग्ध-आधारित मिठाइयों के नाम से बेचा जा रहा है, जबकि उनमें दूध/दुग्ध घटकों के स्थान पर वनस्पति तेल, वनस्पति वसा अथवा अन्य गैर-दुग्ध अवयवों का उपयोग किया गया हो। यदि गैर-दुग्ध उत्पाद को वास्तविक दूध/दुग्ध मिठाई के रूप में प्रस्तुत कर उपभोक्ता को भ्रमित किया जा रहा हो तो लागू प्रावधानों के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी।

साथ ही प्लास्टिक जार में बिना लेबल वाले अमानक मिठाईयों के विक्रय का बड़ा थोक बाजार है जो ग्रामीण क्षेत्रों के छोटे दुकानदारों को यह मिठाई बेचते हैं। ग्रामीण जन एवं बच्चे चिल्हर में एक या दो रूपए में यह मिठाई खरीद कर खाते हैं। चूंकि जार के लेबल में खाद्य पदार्थ के निर्माण तिथि, उपयोग की तिथि, घटकों के नाम (इन्गेडिएण्ट्स) एवं निर्माता फर्म के पूर्ण पता का उल्लेख नहीं होता, ऐसे में यह जानकारी उपभोक्ता को नहीं मिल पाती कि ये मिठाई किस चीज से, कब एवं कहां बनाई गई है। जाहिर है कि इस प्रकार की मिठाई का उपयोग सेहत के लिए बहुत अधिक खतरनाक होता है। बने खाबो-बने रहिबो 2.0 अभियान विशेषकर आगामी रक्षाबंधन त्यौहार में इस प्रकार की अमानक मिठाई का यह बाजार बढ़ने से रोकने के लिए चलाया जा रहा है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग सतर्क है एवं इस प्रकार के विक्रेताओं पर कड़ी कार्यवाही करने हेतु नियमित रूप से कान्फेक्शनरी के थोक दुकानों और मिठाई दुकानों में प्रवर्तन कार्यवाही जारी रहेगी।

नियमों का उल्लंघन मिलने पर होगी वैधानिक कार्रवाई : एफएसएसएआई ने मिठाई विक्रेताओं के लिए पूर्व में निर्देश जारी किए हैं जिसके अनुसार उन्हें अपनी दुकानों में मिठाई के डिस्प्ले काउण्टर में सजी मिठाई की ट्रे पर मिठाई की निर्माण तिथि एवं मिठाई कब तक उपयोग में लाई जा सकती है, इस तिथि का उल्लेख अनिवार्य है। किन्तु अनेक मिठाई विक्रेता इस निर्देश का पालन नहीं कर रहे हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा सभी बाद विक्रेताओं को अपील की गई है कि वे एफएसएसएआई के निर्देशों का कड़ाई से पालन करें। बिना लेबल वाली खाद्य सामग्री का विक्रय न करें। लेबल में खाद्य पदार्थ के निर्माण तिथि, उपयोग की तिथि एवं निमार्ता फर्म के पूर्ण पता का उल्लेख अनिवार्य रूप से होना चाहिए। यदि निमार्ता फर्म का पूर्ण पता एवं खाद्य पदार्थ के निर्माण की तिथि उल्लेखित नहीं पाई जाएगी तो संबंधित विक्रेता की पूर्ण जिम्मेदारी मानते हुए उसके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

त्यौहारी सीजन में प्राय: यह भी देखा जाता है कि त्यौहार के समय अस्थायी स्टाल/दुकान सजाकर व्यापार करते हैं। ऐसे सभी लोगों को स्पष्ट निर्देश एवं कड़ी चेतावनी दी जाती है कि वे अपना दुकान लगाने से पूर्व अनिवार्य रूप से खाद्य पंजीयन या खाद्य लाईसेंस लेकर ही बाद कारोबार प्रारंभ करें। निरीक्षण के दौरान बिना बाद्य लाईसेंस वाले ऐसे अस्थायी स्टाल धारकों पर कड़ी कार्यवाही करते हुए उनके स्टॉल हटाने की कार्यवाही के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम एवं नगर निगम की टीम बाध्य होंगे। जांच के दौरान मिलावट, अमानकता, मिथ्याछाप, स्वामक जानकारी अथवा उपभोक्ताओं को भ्रमित करने वाली प्रस्तुति पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा संबंधित नियमों/विनियमों के प्रावधानों के अनुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

नागरिकों से अपील : जिला प्रशासन एवं खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि रक्षाबंधन पर्व के दौरान मिठाई एवं अन्य खाद्य पदार्थ खरीदते समय उत्पाद की वास्तविक प्रकृति, लेबल, इन्गेडिएण्ट्स, निमार्ता/विक्रेता का विवरण एवं बिल की जांच करें तथा संदिग्ध अथवा भ्रामक रूप से प्रस्तुत बाद्य पदार्थों के प्रति सतर्क रहें।

टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत घुमका में किया जा रहा सर्वे

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा राजनांदगांव विकासखंड के घुमका में डोर-टू-डोर सर्वे किया जा रहा है। टीबी मुक्त भारत अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घुमका में प्रशिक्षण सह समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिला स्तर के अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा मैदानी स्वास्थ्य कार्यकताओं द्वारा टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत घर घर सर्वे पश्चात टीबी एप एवं पोर्टल में एन्ट्री के संबंध में जानकारी दी गई। बैठक में बताया गया कि टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत दिसम्बर 2026 तक टीबी मुक्त पंचायत, टीबी मुक्त विकासखण्ड एवं टीबी मुक्त जिला बनाने के लक्ष्य रखा गया है। टीबी के संभावित मरीजों की समय पर पहचान, जांच, उपचार तथा उपचार पूर्ण होने तक सतत निगरानी तथा नए मरीजों की शीघ्र पहचान एवं उपचार सुनिश्चित करने प्रत्येक ग्राम पंचायत में टीबी उन्मूलन के लिए नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है।

बैठक में उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारी द्वारा टीबी उन्मूलन को सफल बनाने के लिए संकल्प लिया गया। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन, उप संचालक पंचायत एवं समाज कल्याण विभाग श्रीमती वैशाली मरडवार, नोडल अधिकारी अधिकारी कुष्ठ एवं टीबी कार्यक्रम डॉ. अल्पना लुनिया, जिला एनसीडी सलाहकार डॉ. विकास राठौर, खण्ड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घुमका डॉ. उषा विन्ध्यराज, जिला डाटा प्रबंधक अखिलेश चोपड़ा, डीपीसी भूषण साहू सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

इंदिरा गांधी कृषि विवि की परीक्षा निरस्त, 5 सदस्यीय समिति गठित

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन ने विवादों के चलते विश्वविद्यालय की परीक्षा को निरस्त कर दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए 5 सदस्यीय जांच समिति का भी गठन किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि मामले की पूरी जांच कराई जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। परीक्षा निरस्त होने से प्रभावित छात्रों को जल्द नई तिथियों की जानकारी दी जाएगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर जिम्मेदार लोगों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

ग्राम टप्पा में आयोजित आयुष स्वास्थ्य शिविर में 708 ग्रामीण हुए लाभान्वित

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

आयुष विभाग द्वारा डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम टप्पा (तेलीटोला) में नि:शुल्क आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों को विभिन्न आयुष एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गई। शिविर में स्त्री रोग, बाल रोग, उदर रोग, चर्म रोग सहित अन्य रोगों से संबंधित स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। आयुर्वेद, होम्योपैथी एवं एनसीडी क्लिनिक के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने ग्रामीणों की जांच कर आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श दिया। रोगियों को आवश्यकता के अनुसार नि:शुल्क औषधियों का वितरण भी किया गया।

शिविर में 228 बच्चों को स्वर्णप्राशन की सुविधा प्रदान की गई। साथ ही रोगानुसार योग एवं स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में परामर्श दिया गया। ग्रामीणों को नि:शुल्क आयुष काढ़ा वितरित कर इसके लाभों की जानकारी दी गई। आयुर्वेदिक दिनचर्या, संतुलित आहार-विहार एवं स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में जन-जागरूकता एवं मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। शिविर में आयुर्वेद चिकित्सा से 361, होम्योपैथी चिकित्सा से 73 तथा एनसीडी स्क्रीनिंग से

46 ग्रामीण लाभान्वित हुए। शिविर में विभिन्न आयुष एवं स्वास्थ्य सेवाओं से कुल 708 ग्रामीण लाभान्वित हुए। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, ग्राम के गणमान्य नागरिक, आयुर्वेद चिकित्साधिकारी डॉ. हर्ष कुमार, डॉ. शोबी खान, डॉ. अनमोल गुप्ता, डॉ. आलोक कल्चुरी, फार्मासिस्ट फिरोज खान, संजय सिंह, अलखा राम सिन्हा, टीनू दीवान, औषधालय सेवक सोमकांत चंद्राकर, राधा अहिरवार, भोगराम चन्द्रवंशी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

उपलब्धि नागरिक अब केवल बिजली के उपभोक्ता नहीं, बल्कि उत्पादक भी बन गए

5 हजार घरों में लगे सोलर पैनल, पीएम सूर्यघर योजना से बिजली बिल से मिली राहत

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन में राजनांदगांव जिले ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। जिले में अब तक 5 हजार घरों की छतों पर रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित (सोलर कनेक्शन पूर्ण) किए जा चुके हैं। इस पहल से जहां घरेलू उपभोक्ताओं को भारी बिजली बिल से राहत मिल रही है, वहीं जिला स्वच्छ और अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है।

अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेज रहे नागरिक

योजना की सबसे बड़ी खासियत यह है कि नागरिक अब केवल बिजली के उपभोक्ता नहीं, बल्कि उत्पादक भी बन गए हैं। छतों पर लगे सोलर पैनल से घरेलू जरूरतें पूरी होने के बाद बचने वाली अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में भेजा जा रहा है। इससे पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता घटने के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिल रहा है।

सब्सिडी से आसान हुई राह

योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को केंद्र शासन की ओर से तय सब्सिडी के साथ-साथ छत्तीसगढ़ शासन द्वारा भी अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है। इस दोहरे अनुदान के कारण आम नागरिकों के लिए कम लागत में सोलर प्लांट लगाना आसान हो गया है।

सूर्य सभा से घर-घर पहुंच रही जानकारी

जिला प्रशासन द्वारा ग्राम पंचायतों और नगरीय क्षेत्रों में निरंतर समीक्षा बैठकों के साथ-साथ सूर्य सभा जैसे विशेष जनजागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। मैदानी स्तर पर आवेदनों के त्वरित निराकरण और समयबद्ध प्लांट स्थापना से नागरिकों का भरोसा बढ़ा है। आने वाले दिनों में सोलर पैनल अपनाने वाले परिवारों की संख्या में और तेजी से बढ़ोतरी की उम्मीद जताई जा रही है।

3 किलोवाट सोलर प्लांट लगाकर भोलानाथ बने बिजली उपभोक्ता के साथ उत्पादक

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ने ग्राम पुरैना निवासी भोलानाथ वर्मा को बिजली का उपभोक्ता होने के साथ ही उत्पादक भी बना दिया है। उन्होंने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर प्लांट स्थापित किया है। बरसात के दिनों में भी इससे रोजाना औसतन करीब 10 यूनिट बिजली का उत्पादन हो रहा है। भोलानाथ वर्मा ने बताया कि उनके घर की खपत सोलर प्लांट से होने वाले उत्पादन से कम है। इससे बिजली बिल में राहत मिल रही है। साथ ही अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में भेजने का अवसर भी मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पहले ये केवल बिजली का उपयोग करते थे, लेकिन सोलर प्लांट लगाने के बाद अब बिजली का उत्पादन कर उसका उपयोग करने के साथ अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेज रहे हैं।

केंद्र-राज्य से 1.08 लाख रुपए की सहायता : वर्मा ने बताया कि सोलर प्लांट स्थापना के लिए केंद्र और राज्य सरकार की ओर से कुल 1 लाख 8 हजार रुपए की अनुदान सहायता का प्रावधान है। इसमें केंद्र सरकार की ओर से 78 हजार रुपए और राज्य सरकार की ओर से 30 हजार रुपए की सहायता शामिल है। उन्होंने कहा कि शासन की यह सहायता आम लोगों को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

स्वच्छ ऊर्जा अपनाने की अपील : भोलानाथ वर्मा ने कहा कि सौर ऊर्जा स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा का माध्यम है। इसे अपनाने से प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने सौर ऊर्जा को भविष्य की जरूरत बताते हुए जिलेवासियों से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

देवकर में साकार हो रहा अटल परिसर, आकर्षण का केंद्र बनी भव्य प्रतिमा

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

नगर पंचायत देवकर में भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में अटल परिसर का निर्माण किया गया है। परिसर में स्थापित उनकी भव्य प्रतिमा लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। नगर पंचायत द्वारा परिसर को व्यवस्थित एवं सुंदर स्वरूप देने के साथ ही इसकी सुरक्षा और रखरखाव पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

अटल परिसर में स्थापित प्रतिमा का निर्माण रायपुर की कला संस्था ह्रातथास्तु द आर्टह्व द्वारा किया गया है। कांस्य धातु से निर्मित इस प्रतिमा का वजन लगभग 525 किलोग्राम है। प्रतिमा के निर्माण में कलात्मकता के साथ-साथ इसकी मजबूती और टिकाऊपन का भी ध्यान रखा गया है। परिसर निर्माण के दौरान निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप निर्माण सामग्री का उपयोग किया गया है। ग्रामीण अभियान्त्रिकी सेवा दुर्ग संभाग की अधिकृत शासकीय प्रयोगशाला द्वारा निर्माण कार्य में प्रयुक्त कंक्रीट की गुणवत्ता का परीक्षण भी किया गया है। परीक्षण में कंक्रीट की मजबूती निर्धारित मानकों के अनुरूप पाई गई है।

नगर पंचायत द्वारा अटल परिसर को स्वच्छ, सुरक्षित एवं आकर्षक बनाए रखने के लिए लगातार आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। परिसर में किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि को रोकने के लिए भी प्रशासन द्वारा आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। अटल परिसर देवकर के लिए एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित हो रहा है। यहां स्थापित पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की भव्य प्रतिमा उनके व्यक्तित्व एवं राष्ट्र के प्रति योगदान की स्मृति को जीवंत करती है। नगर पंचायत प्रशासन द्वारा परिसर के बेहतर रखरखाव एवं सौंदर्यीकरण की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

निगम से मांगा 104 करोड़ वसूली का हिसाब, पूछा-18% अधिभार के बाद पेनल चार्ज क्यों?

नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा ने उठाए सवाल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

नगर पालिक निगम भिलाई में संपत्ति कर और विभिन्न शुल्कों की वसूली को लेकर नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा ने महापौर नीरज पाल और निगम प्रशासन पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

उन्होंने कहा कि भिलाई की जनता से कर एवं शुल्क के नाम पर की जा रही प्रत्येक वसूली का वैधानिक आधार सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

1 अरब 4 करोड़ की वसूली पर सवाल

भोजराज सिन्हा ने कहा कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार शिक्षा कर, पेनल चार्ज और यूजर चार्ज सहित विभिन्न मदों में नागरिकों से लगभग ?104 करोड़ की राशि वसूल की गई है। यह भिलाई के नागरिकों और व्यापारियों की मेहनत की कमाई है। इसलिए निगम को बताना होगा कि यह वसूली किस अधिनियम, नियम, राजपत्र, अधिसूचना या सक्षम प्राधिकारी के आदेश के तहत की गई।

18% अधिभार के बाद पेनल चार्ज का औचित्य क्या?

नेता प्रतिपक्ष ने पूछा कि जब संपत्ति कर में पहले से 18 प्रतिशत अधिभार लिया जा रहा है, तो उसके अतिरिक्त पेनल चार्ज लगाने का वैधानिक प्रावधान क्या है? इसकी स्वीकृति किसने दी और किस नियम के तहत वसूली हो रही है? उन्होंने कहा, "पहले 18 प्रतिशत अधिभार, फिर अलग से पेनल चार्ज - भिलाई की जनता पर यह दोहरा आर्थिक भार किस नियम के तहत? जनता भाषण नहीं, अधिनियम और शासनादेश के आधार पर जवाब चाहती है।"

शिक्षा कर और यूजर चार्ज को लेकर भी उठाए सवाल

भोजराज सिन्हा ने कहा कि निगम के अपने विद्यालय नहीं होने के बावजूद शिक्षा कर वसूला जा रहा है। इसका वैधानिक आधार भी स्पष्ट किया जाए। शिक्षा कर की वसूली से संबंधित अधिनियम की धारा, शासनादेश और अधिसूचना सार्वजनिक की जाए। यूजर चार्ज को लेकर उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राजपत्र 2016 में निर्धारित दरों से अधिक वसूली की जा रही है। यदि ऐसा है तो अतिरिक्त वसूली किस सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति से हुई, यह स्पष्ट किया जाए। उन्होंने अन्य निगमों दुर्ग, रिसाली, रायपुर, बिलासपुर, कोरबा सहित पूरे छत्तीसगढ़ में पेनल चार्ज की स्थिति भी सार्वजनिक करने की मांग की।

मदवार लेखा-जोखा सार्वजनिक करने की मांग

भोजराज सिन्हा ने निगम प्रशासन से मांग की कि शिक्षा कर की वर्षवार वसूली, पेनल चार्ज की कुल वसूली और उसका वैधानिक आधार, 18 प्रतिशत अधिभार की कुल वसूली, यूजर चार्ज की स्वीकृत दर बनाम वास्तविक वसूली का तुलनात्मक विवरण और ?104 करोड़ का पूरा मदवार हिसाब सार्वजनिक किया जाए। उन्होंने कहा, "भिलाई की जनता कर देने से पीछे नहीं हटती, लेकिन नियमों की आड़ में मनमानी वसूली स्वीकार नहीं करेगी। ?104 करोड़ जनता की गाढ़ी कमाई है। इसका एक-एक रुपया किस अधिकार से वसूला गया, इसका जवाब देना होगा।" नेता प्रतिपक्ष ने मामले की निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच और नियमविरुद्ध वसूली पाए जाने पर जिम्मेदारों पर कार्रवाई के साथ अतिरिक्त राशि वापस करने की प्रक्रिया शुरू करने की भी मांग की।

निगम आयुक्त सुरुचि सिंह ने किया शहर के विभिन्न क्षेत्रों का निरिक्षण, सुविधाओं का भी लिया जायजा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने कामर्शियल काम्पलेक्स पार्किंग स्थल, उद्यान, मोबाईल मेडिकल यूनिट, अवैध निर्माण, नाला, सुलभ शौचालय सहित खुसीपार स्थित ईएसआईसी डिस्पेंसरी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक सुधार एवं व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

निगम आयुक्त ने नेहरू नगर स्थित कामर्शियल काम्पलेक्स के रिक्त मैदान का निरीक्षण किया। उन्होंने मैदान की साफ-सफाई कराकर व्यवस्थित पार्किंग स्थल विकसित करने के निर्देश दिए, ताकि कामर्शियल काम्पलेक्स में आने वाले नागरिकों को वाहन पार्क करने में सुविधा मिल सके। उन्होंने पार्किंग व्यवस्था को सुव्यवस्थित कर प्रकाश व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान देने कहा। इसके पश्चात आयुक्त ने बाल क्रीड़ा उद्यान का निरीक्षण किया और स्थानीय नागरिकों से मुलाकात कर उद्यान की व्यवस्थाओं एवं उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी ली। नागरिकों द्वारा बताई गई समस्याओं का निराकरण बरसात के पूर्व कराने के निर्देश दिए गए। निदेशानुसार उद्यान में तत्काल अवांछित झाड़ियों की कटाई और ग्रास क्लियर किया गया है। आयुक्त ने मोबाईल मेडिकल यूनिट बस का भी निरीक्षण किया तथा नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं एवं स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली।

आयुक्त ने मॉडल टाउन स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर के पीछे किए गए अवैध निर्माण का भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं। मौके पर अवैध निर्माण पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके समीप स्थित नाले का भी निरीक्षण कर साफ-सफाई एवं जल निकासी की व्यवस्था का जायजा लिया गया। वार्ड क्रमांक 18 कांट्रेक्टर कॉलोनी पुरानी बस्ती में पूर्व निर्मित सुलभ शौचालय का निरीक्षण महापौर परिषद सदस्य लालचंद वर्मा के उपस्थिति में करते हुए आयुक्त ने आवश्यक सुधार कार्य कराने के निर्देश दिए, ताकि क्षेत्र के नागरिकों को शौचालय की बेहतर सुविधा मिल सके। उन्होंने शौचालय फेसिंग, साफ-सफाई एवं रखरखाव पर भी ध्यान देने कहा।

खुसीपार क्षेत्र में आयुक्त ने ईएसआईसी डिस्पेंसरी का निरीक्षण किया। डिस्पेंसरी भवन पुराना होने के कारण जर्जर स्थिति में हो गया है। इसे देखते हुए डिस्पेंसरी को पावर हाउस स्थित निगम स्वामित्व भवन में स्थानांतरित करने के संबंध में अधिकारियों के साथ चर्चा की गई, ताकि नागरिकों को सुरक्षित एवं बेहतर स्थान पर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

भिलाई में हुआ दो दिवसीय अखिल भारतीय रेडियो श्रोता सम्मेलन

देशभर से जुटे रेडियो प्रेमी, सांसद विजय बघेल बोले- रेडियो का महत्व हमेशा रहेगा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

रेडियो श्रोता दिवस के अवसर पर भिलाई में दो दिवसीय अखिल भारतीय रेडियो श्रोता सम्मेलन का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ रेडियो श्रोता संघ द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में देशभर से रेडियो उद्घोषक और श्रोता शामिल हुए। सम्मेलन में रेडियो से जुड़ी यादों और अनुभवों को साझा किया गया।

रेडियो का महत्व बरकरार: विजय बघेल

सम्मेलन के समापन समारोह में दुर्ग सांसद विजय बघेल शामिल हुए। उन्होंने देशभर से आए श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा कि रेडियो को लोकप्रिय बनाने में उद्घोषकों के साथ-साथ श्रोताओं का योगदान भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे श्रोताओं को सम्मानित भी किया गया।

विजय बघेल ने दूरदर्शन समाचार से चर्चा में अपने पुराने रेडियो अनुभव साझा करते हुए कहा कि "रेडियो का महत्व पहले भी था, आज भी है और भविष्य में भी बना रहेगा।" उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ह्मन की बातह्म के जरिए रेडियो को संवाद का सशक्त माध्यम बनाया और करोड़ों लोगों तक अपना संदेश पहुंचाया।

रेडियो की लोकप्रियता जीवंत रखने का उद्देश्य

सम्मेलन के संयोजक और छत्तीसगढ़ रेडियो श्रोता संघ के संरक्षक अशोक बजाज ने बताया कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य लोगों का रेडियो से जुड़ाव बनाए रखना और श्रोताओं के बीच रेडियो की लोकप्रियता को जीवंत रखना है।

दो दिवसीय सम्मेलन में लोक कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर माहौल को रंगीन बनाया। वहीं पुराने दौर में इस्तेमाल होने वाले रेडियो सेटों की प्रदर्शनी भी लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। देश के विभिन्न हिस्सों से आए रेडियो प्रेमियों ने इस आयोजन के माध्यम से रेडियो से जुड़ी अपनी पुरानी यादों को ताजा किया।

सोमनी पंचायत की सरपंच नीलिमा साहू पद से हटीं

अविश्वास प्रस्ताव 16-0 से पारित, एक भी पंच समर्थन में नहीं आया

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

ब्लॉक की चर्चित ग्राम पंचायत सोमनी में सरपंच नीलिमा साहू के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव गुरुवार को 16-0 से पारित हो गया। मतदान में 20 में से 16 पंचों ने सरपंच के खिलाफ वोट किया। सरपंच के समर्थन में एक भी पंच मतदान के लिए नहीं पहुंचा। इसके साथ ही नीलिमा साहू सरपंच पद से पदमुक्त हो गईं।

मतदान प्रक्रिया नायब तहसीलदार रामखिलावन चौहान की उपस्थिति में कराई गई। इस दौरान जनपद के कर्मचारी और पंचायत सचिव पीठासीन अधिकारी के रूप में मौजूद रहे।

मार्च में फेल हुआ था पिछला प्रयास

सोमनी पंचायत में चुनाव के कुछ समय बाद से ही सरपंच की कार्यप्रणाली को लेकर पंचों में असंतोष था। मार्च 2026 में भी सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन उस समय सरपंच को न्यायालय से स्टे मिल जाने के कारण प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी थी। इसके बाद विरोधी पंच दोबारा अविश्वास प्रस्ताव की तैयारी में जुटे। 5 अगस्त को पंचों ने एसडीएम के समक्ष अविश्वास प्रस्ताव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। एसडीएम न्यायालय ने मतदान के लिए 20 अगस्त की तारीख तय की थी। बताया गया कि पिछली बार की तरह इस बार भी सरपंच नीलिमा साहू ने कार्रवाई पर रोक के लिए न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन इस बार उन्हें स्टे नहीं मिला। लंबे समय से सरपंच और पंचों के बीच चले विवाद के कारण पंचायत के विकास कार्य प्रभावित होने की शिकायतें सामने आती रही हैं। अब सरपंच के हटने के बाद ग्रामीणों को पंचायत में विकास कार्यों के गति पकड़ने की उम्मीद है। एसडीएम राजनांदगांव गौतमचंद्र पाटिल ने बताया कि "सोमनी ग्राम पंचायत में सरपंच के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव 16-0 से पारित हो गया है।

भारतीय हॉकी टीम की पाकिस्तान पर शानदार जीत, वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने दी बधाई

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने हॉकी विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय हॉकी टीम की शानदार 5-3 से जीत पर खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि मैदान कोई भी हो, जीत भारत की ही होती है। उन्होंने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों ने मैदान पर जिस जोश, समर्पण और शानदार रणनीति का प्रदर्शन किया, उसने हर भारतीय का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। उन्होंने भारतीय हॉकी टीम के सभी खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि टीम ने अपने खेल से देशवासियों में उत्साह और गौरव की भावना पैदा की है। श्री चौधरी ने आगामी मुकाबलों के लिए टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खिलाड़ियों में इसी तरह की दृढ़ता, आत्मविश्वास और जीत की ललक बनी रहे।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100